Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 187 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, शुक्रवार 17 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

मोदी कैबिनेट ने ले लिये बड़े फैसले, किसानों और नौजवानों को दी बड़ी सौगात,विकास की रफ्तार भी होगी तेज

नई दिल्ली। कैबिनेट ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना के तहत भारत में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल और आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में देश की विनिर्माण क्षमता, बुनियादी ढांचे, कृषि, परिवहन और समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

कैबिनेट ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना के तहत भारत में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। घरेलू स्तर पर प्रमुख कंपोनेंट्स की खरीद पर अतिरिक्त 1.5 प्रतिशत और भारतीय ब्रांडों द्वारा डिजाइन एवं अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार का अनुमान है कि योजना अवधि में लगभग 39 लाख करोड़ रुपये का मोबाइल उत्पादन होगा, निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा करीब 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह योजना पीएलआई योजना के बाद भारत को वैश्विक मोबाइल विनिर्माण केंद्र के रूप में और मजबूत करेगी। भारतीयनौसेना जानकारी

साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को और गति देने के लिए सरकार ने सेमिकॉन 2.0 को भी 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी। यह कार्यक्रम चिप डिजाइन, मशीनों एवं कच्चे माल के निर्माण, नए फैब स्थापित करने, एटीएमपी/ओसैट इकाइयों के विस्तार, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास जैसे छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगा। सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाना है। अब तक सेमिकॉन 1.0 के तहत 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि 105 स्टार्टअप चिप डिजाइन के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

103 आवेदन, सिर्फ 5 पात्र... NHM भर्ती पर विधानसभा में बवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत बिलासपुर जिले में हुई संविदा भर्ती का मामला जोरदार ढंग से उठा। फीडिंग डिमॉन्स्ट्रेटर के महज तीन पदों की भर्ती में 103 आवेदकों में से 98 को अपात्र घोषित किए जाने के मामले ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और ऑनलाइन आवेदन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने लिखित जवाब प्रस्तुत किया।

स्वास्थ्य मंत्री के जवाब के अनुसार, वर्ष 2025-26 में बिलासपुर जिले में एनआरसी के लिए फीडिंग डिमॉन्स्ट्रेटर के तीन पदों पर भर्ती निकाली गई थी। इस भर्ती के लिए कुल 103 आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन जांच के दौरान 98 अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित कर दिया गया। इसके बाद केवल 5 उम्मीदवार ही पात्र पाए गए।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 98 में से 94 अभ्यर्थियों को सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया क्योंकि उन्होंने ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपनी शैक्षणिक योग्यता के अंक दर्ज नहीं किए थे। वहीं चार अन्य अभ्यर्थियों को डुप्लीकेट आवेदन, दस्तावेजों में त्रुटि और निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करने के कारण अयोग्य घोषित किया गया। विधायक अटल श्रीवास्तव ने सदन में सवाल उठाते हुए कहा कि यदि शैक्षणिक अंकों का कॉलम अनिवार्य था, तो ऑनलाइन सिस्टम ने बिना जानकारी भरे आवेदन स्वीकार कैसे कर लिए। उन्होंने पूछा कि ऐसा कौन-सा सॉफ्टवेयर था, जिसने अधूरे आवेदन को भी सफलतापूर्वक सबमिट होने दिया।

SHORT NEWS

नितिन गड़करी का मास्टर प्लानः भारत में चलेंगी फ्लाइंग बसें

लखनऊ। समारोह में अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि जल्द ही, मैं फ्लाइंग बसें (उड़ने वाली बसें) शुरू करने जा रहा हूँ।एक तरफ जहां केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर चल रही बहस के केंद्र में हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने देश की मोबिलिटी को बदलने के लिए अपने अगले बड़े आइडिया पर काम शुरू कर दिया है। यह नया विचार है भारतीय शहरों के लिए 'फ्लाइंग बसें' (उड़ने वाली बसें)। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने देश के तेजी से बढ़ते शहरों में ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए एक इलेक्ट्रिक मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के हिस्से के रूप में 'फ्लाइंग बसें' शुरू करने की योजना का एलान किया।

दुर्ग में खड़े ट्रैक्टर के पीछे घुसी स्कूटी, 4 मौतें

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे-53 पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगी बहनों समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अमृता निर्मलकर (28), उनकी सगी बहन लक्ष्मी निर्मलकर (26), अमृता की 7 वर्षीय बेटी याचना और 4 वर्षीय डाली शामिल हैं। अमृता का 8 वर्षीय बेटा भावेश गंभीर रूप से घायल है। घटना कुम्हारी थाना क्षेत्र की है।

रायपुर में श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

राज्यपाल रमेन डेका और सीएम विष्णुदेव साय ने निभाई 'छेरा-पहरा' की रस्म

रायपुर। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई। इस पावन अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायभी रथयात्रा महोत्सव में उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रथयात्रा के शुभारंभ से पूर्व मंदिर परिसर में पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथयात्रा से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण 'छेरा-पहरा'की परंपरागत रस्म निभाई। इस रस्म के अंतर्गत रथ के आसपास प्रतीकात्मक रूप से झाड़ू लगाकर यह संदेश दिया जाता है कि ईश्वर के समक्ष सभी समान हैं और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी ने भी भगवान श्री जगन्नाथ की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर धार्मिक वातावरण से सराबोर रहा। जय जगन्नाथ के जयघोष, शंखध्वनि और भक्ति संगीत के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर रथयात्रा में भाग लिया।

कार्यक्रम में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विभिन्न जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान जगन्नाथ के रथ को श्रद्धापूर्वक खींचकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक सजावट से विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।

रथयात्रा महोत्सव के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों ने आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं।

रथयात्रा हमारी आस्था, संस्कृति और लोक परंपरा का जीवंत उत्सवः मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मंत्रीचौधरी ने कहा कि सभी देशवासियों को रथयात्रा की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। रथयात्रा हमारी भारतीय संस्कृति, आस्था और लोक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान श्री जगन्नाथ का जीवन समरसता, सेवा, करुणा और लोककल्याण का संदेश देता है, जो हमारे सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है। चौधरी ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि उनके गांव में भगवान श्री जगन्नाथ का मंदिर है और बचपन से ही वे गांववासियों के साथ रथयात्रा में सहभागी होते आए हैं।

सोनिया गांधी के आवास पर हुई संसदीय दल की बैठक

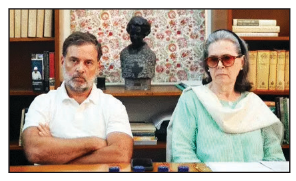

नई दिल्ली। सोनिया गांधी के आवास पर गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा- पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आगे कहा- कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन्हें हम विशेष रूप से उठाएंगे। जैसे चंदे की चोरी और विश्वासघात। प्रभु श्रीराम मंदिर के संबंध में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। हम अयोध्या में भाजपा और **RSS** के रचे गए घोटाले का मुद्दा जरूर उठाएंगे। **NEET** और ई20 घोटाला जैसे कई मुद्दे भी हैं, जिसमें कई वरिष्ठ भाजपा नेता और उनके बेटे शामिल हैं।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान

गिरवरगंज में छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा और महिला अधिकारों का मिला प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत सूरजपुर जिले के विकासखंड सूरजपुर अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गिरवरगंज में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, बाल अधिकारों तथा महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में प्रशिक्षक सुश्री सारिका ने छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सिखाए, जिससे वे आपात एवं विषम परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। वहीं श्री राय सिंह ने साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे से सतर्क रहने, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग की जानकारी दी। वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ सुश्री फरजाना ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता एवं महिला सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया।

तेंदूपत्ता संग्रहण से मोहला-मानपुर जिले के 37 हजार 131 संग्राहक परिवारों को मिला 30 करोड़ 65 लाख 79 हजार रुपए से अधिक का भुगतान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और वनांचल इलाकों में तेंदूपत्ता और बांस को हरा सोना माना जाता है। राज्य सरकारों द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा करने से लाखों आदिवासी और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भरता मिली है। तेंदूपत्ता संग्रहण से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है। तेंदूपत्ता संग्रहण अब गांव में ही रोजगार मिल रहा है। शासन द्वारा समय पर भुगतान और बोनस राशि मिलने से ग्रामीणों का भरोसा और बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के घने वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता ग्रामीणों के लिए सिर्फ एक वनोपज नहीं, बल्कि 'हरा सोना' बनकर आर्थिक संबल का मजबूत आधार बना है। हर वर्ष गर्मी के मौसम में हजारों ग्रामीण, विशेषकर महिलाएं, तेंदूपत्ता संग्रहण के कार्य से जुड़कर अपने परिवार की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। तेंदूपत्ता संग्रहण से प्राप्त राशि का उपयोग ग्रामीण परिवार बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और खेती-किसानी के कार्यों में कर रहे हैं। इस तरह तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीण रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

वर्ष 2026 में जिले की 39 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के अंतर्गत 40 लॉट और 502 फड़ों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया। मई माह में 37 हजार 131 संग्राहक परिवारों ने

कुल 55 हजार 741.7 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया। इसके एवज में संग्राहक परिवारों को 30 करोड़ 65 लाख 79 हजार 350 रुपए का भुगतान किया गया है। इसके अतिरिक्त फरवरी-मार्च 2026 में तेंदूपत्ता बूटा कटाई के लिए भी 40 लाख 51 हजार 154 रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले का तेंदूपत्ता अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इसकी गुणवत्ता के कारण जिले के तेंदूपत्ता लॉट की मांग बनी रहती है और इन्हें ठेकेदारों द्वारा अच्छी दर पर खरीदा जाता है। वर्ष 2023 के तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जिले की 36 समितियों के 33 हजार 363 संग्राहक परिवारों को 11 करोड़ 97 लाख 98 हजार 934 रुपए बोनस राशि के रूप में प्रदान किए जाने की कार्रवाई की जा रही है।

डीबीटी से पारदर्शी और समयबद्ध भुगतान

तेंदूपत्ता संग्रहण और बूटा कटाई की राशि का भुगतान ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से किया जा रहा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के तहत राशि सीधे संग्राहकों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। इससे भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हुई है। तेंदूपत्ता संग्रहण से मिलने वाली आय ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक संबल बन रही है। वहीं, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री के आश्वासन से जगी उम्मीद: बिजली कंपनी में जल्द भर्ती के संकेत, आंदोलन के बीच युवाओं को बड़ी राहत

जांजगीर चाम्पा । छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ के प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन और कर्मचारियों के बढ़ते आक्रोश का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। लंबे समय से विभिन्न मांगों को लेकर संघर्षरत बिजली कर्मचारियों के आंदोलन को मिले व्यापक समर्थन के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महासंघ के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली सहित कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर गंभीरता से विचार कर उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री एवं विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पावर कंपनी में कर्मचारियों की भारी कमी, बढ़ते कार्यभार और इसके कारण बढ़ रही दुर्घटनाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वस्त किया कि पावर कंपनी में रिक्त पदों पर नियमित भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन एवं अधिसूचना जारी किए जाएंगे। साथ ही पूर्व से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को भी नियमितीकरण के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

लंबे इंतजार से अभ्यर्थियों में बढ़ी निराशा

पावर कंपनी में वर्षों से रिक्त पड़े विभिन्न पदों पर भर्ती नहीं होने के कारण हजारों अभ्यर्थी लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं। डाटा एंट्री ऑपरेटर, कार्यालय सहायक, मैसेंजर, कनिष्ठ अभियंता, स्वास्थ्य कनिष्ठ कर्मचारी सहित कई पदों पर भर्ती प्रक्रिया लगातार टलती रही है। समय-समय पर भर्ती को लेकर आश्वासन तो दिए गए, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होने से अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ती गई।

अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि रिक्त पदों पर भर्ती की आवश्यकता पहले से थी, तो इसकी प्रक्रिया काफी पहले शुरू की जा सकती थी। लगातार बढ़ती देरी ने युवाओं का कीमती समय प्रभावित किया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अनेक उम्मीदवार वर्षों से भर्ती विज्ञापन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही प्राप्त हुए।

राजनीतिक और कर्मचारी संगठनों के जानकारों का मानना है कि हाल ही में हुए आंदोलन और महासंघ द्वारा अपनाए गए सख्त रुख के बाद ही सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीरता दिखाई है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। महासंघ ने घोषणा की है कि 10 जुलाई को पावर कंपनी मुख्यालय डंगनिया, रायपुर में विशाल आमसभा, आक्रोश प्रदर्शन और चेतावनी ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद भी मांगों का समाधान नहीं होने पर 17 अगस्त से पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन कामबंद हड़ताल शुरू की जाएगी। इस बार उम्मीद ज्यादा, क्योंकि आश्वासन सीधे मुख्यमंत्री स्तर से पिछले कई वर्षों में भर्ती और कर्मचारियों की मांगों को लेकर अनेक घोषणाएं हुई, लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ सके।

पाटन को नगर पालिका बनाने की मांग, उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मिला प्रतिनिधिमंडल

पाटन । नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने आज छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से विधानसभा भवन में सौजन्य मुलाकात कर पाटन नगर पंचायत को नगर पालिका का दर्जा प्रदान करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नगर पंचायत की सामान्य सभा में परिषद के सभी सदस्यों ने नगर की बढ़ती जनसंख्या, निरंतर हो रहे विकास एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से नगर पंचायत को नगर पालिका बनाने का प्रस्ताव पारित किया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि पाटन नगर का लगातार विस्तार हो रहा है। नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए नगर पालिका का दर्जा आवश्यक हो गया है। नगर पालिका बनने से विकास कार्यों को नई गति मिलेगी, संसाधनों में वृद्धि होगी व नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक प्रक्रिया के तहत सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्षमती निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, जितेन्द्र निर्मलकर एवं देवेन्द्र ठाकुर, पार्षदमती अन्नपूर्णा पटेल,मती संगीता धुरंधर, एल्डरमैन प्रकाश बिजौरा, गंगाप्रसाद देवांगन एवं योगेश सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत वर्मा, उप अभियंता प्रवीण कुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

सक्ती । आगामी अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

उप संचालक, समाज कल्याण कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु नामांकन एवं आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल [illegible] ? पर निर्धारित श्रेणियों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन एवं आवेदन की प्रक्रिया 15 मई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से निर्धारित समयावधि में आवेदन करने की अपील की है। साथ ही संबंधित विभागों एवं स्वैच्छिक संस्थाओं को भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुड़पार पंचायत मे 2.40 लाख का घोटाला

सारंगढ़ । जपं बिलाईगढ़ के ग्राम पंचायत मुड़पार में स्वागत गेट एवं नाली निर्माण के लिए स्वीकृत 2 लाख 40 हजार रुपये के आहरण में गंभीर अनियमितता सामने आई है। ग्रामीणों की शिकायत पर गठित जांच टीम ने पुष्टि की है कि - बिना निर्माण कार्य कराए ही पूरी राशि का भुगतान कर दिया गया। जानकारी के तहत मुड़पार में स्वागत गेट व नाली निर्माण के लिए 2.40 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे । ग्रामीणों ने शिकायत की थी की मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ, जबकि - शास. राशि का भुगतान कर दिया गया। शिकायत के बाद जपं बिलाईगढ़सीईओ प्रतीक प्रधान ने जांच टीम गठित कर मामले की जांच कराई। जांच के दौरान अभिलेखों, स्थल निरीक्षण में पाया गया कि - तत्कालीन पंचायत सचिव छतराम साहू द्वारा बिना कार्य कराए ही राशि का भुगतान किया गया । जांच प्रतिवेदन के अनुसार यह राशि ग्रापं मोहतरा (स) के माध्यम से एक फर्म के खाते में हस्तांतरित की गई। जांच में संबंधित फर्म संचालक ने लिखित बयान में स्वीकार किया कि उसके खाते में 2 लाख 40 हजार रुपये प्राप्त हुए थे तथा सचिव के कहने पर निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई गई थी। हालांकि निरीक्षण के दौरान कार्य स्थल पर सामग्री या निर्माण कार्य का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला, जिसके आधार पर जांच टीम ने वित्तीय अनियमितता दर्ज की।

छत्तीसगढ़ में कोनोकार्पस के नए पौधरोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य में कोनोकार्पस प्रजाति के नए वृक्षारोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में आवास एवं पर्यावरण विभाग ने 6 जुलाई 2026 को अधिसूचना जारी की, जिसका प्रकाशन 7 जुलाई 2026 के छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में किया गया।

अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि कोनोकार्पस एक आक्रामक विदेशी वनस्पति प्रजाति है, जिससे स्थानीय जैव विविधता,

प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र, भू-जल संसाधनों और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

निर्णय का आधार माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में गठित केंद्रीय सशक्त समिति द्वारा 21 अगस्त 2025 को प्रस्तुत प्रतिवेदन है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कोनोकार्पस के नए वृक्षारोपण, इसके प्रचार-प्रसार और विक्रय पर रोक लगाने तथा वर्तमान में लगे पौधों को चरणबद्ध तरीके से उपयुक्त देशी प्रजातियों से प्रतिस्थापित करने की अनुशंसा की थी।

अधिसूचना के तहत राज्य की भौगोलिक सीमा में कोई भी व्यक्ति, स्थानीय निकाय, शासकीय विभाग, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था, स्वायत्त निकाय, सार्वजनिक उपक्रम अथवा अन्य कोई संस्था कोनोकार्पस प्रजाति का नया वृक्षारोपण नहीं करेगी और न ही कराएगी ।राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से तत्काल प्रभावशील होगा। सरकार का उद्देश्य राज्य में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना, स्थानीय प्रजातियों को बढ़ावा देना तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना है।

शीतलपुर में कलेक्टर ने घर-घर जाकर की हर घर जल के हकीकत की पड़ताल

सारंगढ़-बिलाईगढ़, । बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम शीतलपुर में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। अधिकारियों ने गांव में घर-घर पहुंचकर योजनाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया तथा हितग्राहियों एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं की प्रगति और लाभ की जानकारी ली। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कलेक्टर ने स्वयं विभिन्न घरों में जाकर नल चालू कर पेयजल आपूर्ति की जांच की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सभी घरों में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है, जिससे उनकी दैनिक जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुछ स्थानों पर नल कनेक्शन में आवश्यक तकनीकी सुधार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

ग्राम शीतलपुर में जल जीवन मिशन के सफल संचालन पर जल अर्पण प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने ग्राम सरपंच नीता तिग्गा को जल अर्पण प्रमाण-पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि तभी स्थायी रहेगी जब ग्रामीण सामूहिक रूप से जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, पेयजल व्यवस्था का नियमित रखरखाव करेंगे तथा समय पर जल कर (वॉटर टैक्स) का भुगतान करेंगे।

इसके पश्चात कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राही सक्करा यादव, विजय भारद्वाज एवं मोहन के घर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। साथ ही शौचालय एवं सोख्ता गड्ढे के निर्माण की भी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने हितग्राहियों को आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने तथा सभी सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम शीतलपुर में दोनों योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीणों में संतोष और विश्वास का वातावरण देखने को मिला।

केंद्रीय टीम ने वीबी जी राम जी के कार्यों का कबीरधाम में किया निरीक्षण

रायपुर। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव (वित्त) पी.के.शर्मा तथा अवर सचिव राहुल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को देखने दो दिवसीय प्रवास पर कबीरधाम जिले में पहुँच कर निर्माण कार्यों का मंगलवार को निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल ने विकसित भारत जी राम जी योजना के कार्यों की प्रगति एवं अन्य आवश्यक तैयारियों से केन्द्रीय टीम को अवगत कराया।

केंद्रीय टीम द्वारा योजना से जुड़े सभी मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर योजना के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। गांव की आवश्यकता अनुसार निर्माण कार्यों की पहचान में ग्रामीणों की भूमिका, कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया, युक्त धारा पोर्टल में कार्यों की एंट्री, काम की मांग, एनएमएमएस द्वारा ऑनलाइन हाजिरी, समय सीमा में मजदूरी भुगतान की जानकारी, 125 दिनो के रोजगार हेतु ग्रामीणों की मांग पर नए कार्यों की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर जानकारी ली गई।

सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी ग्राम पंचायतों के लिए पर्याप्त कार्य की स्वीकृत करते हुए रोजगार की मांग अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहे हैं। साथ ही बताया गया कि योजना अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने के मामले में पूर्व की भांति कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जिस पर केंद्रीय टीम द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री आवास योजना से हरबाई को मिला अपना पक्का आशियाना...

सक्ती । शासन की जनकल्याणकारी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से सक्ती विकासखंड की ग्राम डोडकी निवासी हरबाई गबेल का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हुआ है। हरबाई गबेल पहले अपने परिवार के साथ एक कच्चे मकान में रहती थी। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था और घर की दीवारों की स्थिति भी कमजोर थी। मौसम खराब होने पर परिवार को हमेशा चिंता बनी रहती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया और

पात्रता के आधार पर उन्हें आवास की स्वीकृति प्राप्त हुई। शासन की सहायता से उनका पक्का और मजबूत घर बनकर तैयार हुआ। हरबाई गबेल अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक घर में रह रहे हैं। नया घर मिलने से उनके परिवार के जीवन में स्थिरता और खुशहाली आई है। अब बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है और परिवार को हर मौसम में सुरक्षा का एहसास होता है। श्रीमती हरबाई गबेल बताती हैं कि पक्का घर बनना उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़, । कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले के सारंगढ़ एवं बिलाईगढ़ ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों एवं नगर पंचायत क्षेत्रों का दौरा कर जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आंगनबाड़ी भवन, महतारी सदन, जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) सहित अनेक विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरे में जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी साथ थे। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे में कलेक्टर ने अधिकारियों को कहा कि विकास कार्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ गौठला-छोटे हरदी समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत निर्मित इंटेकवेल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के पूर्ण होने पर 69 गांवों के लोगों को नियमित एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात भेड़वन में निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र (डबल्यूटीपी) का निरीक्षण

किया गया। कलेक्टर ने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

कलेक्टर ने ग्राम छोटे घोठला में हितग्राही सावनमती मरार के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्माणाधीन आवास का भी निरीक्षण किया गया। निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए हितग्राही को शीघ्र छत ढलाई कराने तथा शौचालय निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। हितग्राही को अब तक दो किश्तों में 95 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। ग्राम छोटे घोठला में निर्मित सोख्ता गड्ढे का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया कि नाली का पानी सोख्ता गड्ढे में सही तरीके से प्रवाहित नहीं हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल तकनीकी सुधार कर व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत मौहापाली में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राही सुरेश्वरी जायसवाल के घर पहुंचकर अधिकारियों ने 3 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट का निरीक्षण किया।

जनता की सुरक्षा, उनका विश्वास ही पुलिस कीसर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी सुनील शर्मा

सारंगढ़ । जिला में एक नए नेतृत्व की शुरुआत हुई है। वर्ष 2017 बैच के **IPS** अधिकारी सुनील शर्मा ने जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में विधिवत पदभार संभाल लिया है । पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद नए पुलिस कप्तान सीधे एक्शन मोड में नजर आए और उन्होंने जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना व चौकी प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ले आवश्यक दिशा - निर्देश जारी किए । समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने जिले की कानून - व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और लंबे समय से लंबित मामलों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की साथ ही,

उन्होंने जिले में सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर भी अधिकारियों से गंभीर चर्चा की ।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए एसपी सुनील शर्मा ने कहा जिले के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी एकजुटता व टीम भावना के साथ काम करना होगा । जनता की सुरक्षा व पुलिस पर उनका विश्वास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने थाना स्तर पर पुलिस की सक्रियता बढ़ाने और आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित व संतोष जनक निवारण करने पर विशेष बल दिया। सुनील शर्मा ने गंभीर अपराधों के जल्द निपटारे, फरार एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ करने व अवैध शराब, सट्टा, जुआ और असामाजिक तत्वों के खिलाफ बड़े स्तर पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के कड़े निर्देश जारी किए ।

जालबांधा में सरकारी जमीन पर बढ़ता अतिक्रमण, कार्रवाई करने पहुंचा प्रशासन

खैरागढ़। खैरागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जालबांधा में शासकीय भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर प्रशासन और पंचायत की संयुक्त कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है। पंचायत द्वारा पूर्व में पारित प्रस्ताव और नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटने पर प्रशासन बुलडोजर और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। हालांकि, समझाइश और बातचीत के बाद फिलहाल कार्रवाई स्थगित कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पंचायत क्षेत्र की शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा नए अतिक्रमण पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद पंचायत ने कई लोगों को अवैध निर्माण रोकने और शासकीय भूमि से कब्जा हटाने के लिए नोटिस भी जारी किए थे। पंचायत का कहना है कि नोटिस के बावजूद अधिकांश लोगों ने निर्देशों का पालन नहीं किया।

इसी क्रम में अतिरिक्त तहसीलदार आशीष कुमार देवहरी, पटवारी, सरपंच, सचिव एवं पुलिस बल के साथ अतिक्रमण हटाने मौके पर पहुंचे। इस दौरान एक अतिक्रमणकर्ता ने प्रशासन से कहा कि यदि गांव के सभी अवैध कब्जों पर एक साथ कार्रवाई की जाएगी, तभी वह भी अपना कब्जा हटाएगा। इसके बाद प्रशासन और संबंधित लोगों के बीच काफी देर तक चर्चा हुई।

ग्राम पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित लोगों को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ और समय दिया गया है। फिलहाल बुलडोजर की कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जालबांधा में शासकीय भूमि पर कई स्थानों पर अतिक्रमण की शिकायतें लंबे समय से सामने आती रही हैं। अब लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी है कि क्या सभी अतिक्रमणों पर समान रूप से कार्रवाई होगी या नहीं।

ग्राम पंचायत का मानना है कि यदि समय रहते शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को नहीं रोका गया, तो भविष्य में ग्राम विकास कार्यों के लिए भूमि उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पंचायत ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग दोहराई है।

गायत्री विद्यापीठ में फैमिली डॉस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

राजनांदगांव । शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की ख्याति प्राप्त संस्था गायत्री विद्यापीठ सीबीएसई में कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए फैमिली डांस प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य परिवार के सदस्यों के बीच आत्मीयता, सहयोग, सांस्कृतिक मूल्यों एवं रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था।

प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग थीम निर्धारित की गई थी। नर्सरी के विद्यार्थियों ने भारतीय त्योहारों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। केजी-1 के विद्यार्थियों ने अपनी निर्धारित थीम पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। केजी-2 के प्रतिभागियों ने रेट्रो टू मेट्रो थीम के माध्यम से पुराने और आधुनिक दौर की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां पौराणिक विषय पर आधारित रहीं, जबकि कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने संदेशपरक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता एवं सकारात्मक मूल्यों का प्रभावी संदेश दिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन निर्णायक कमलकांत सिन्हा एवं दक्ष ठक्कर ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके आत्मविश्वास, मंच संचालन एवं अभिव्यक्ति की प्रशंसा की।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन ने उपस्थित अभिभावकों एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होते, बल्कि परिवार, विद्यालय और संस्कारों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

14 सितंबर से सुर, ताल और घुंघरुओं की झंकार से गूंजेगा 41 वें चक्रधर समारोह का मंच

रायपुर। रायगढ़ जिले की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक 41वें चक्रधर समारोह-2026 इस वर्ष 14 से 23 सितंबर 2026 तक स्थानीय रामलीला मैदान में आयोजित होगा। दस दिवसीय इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और यादगार बनाने के लिए आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलाकार चयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कलाकारों के चयन, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आयोजन की प्रशासनिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि चक्रधर समारोह केवल शास्त्रीय कला का मंच नहीं, बल्कि रायगढ़ और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

एग्री-टूरिज्म का नया गढ़ बना छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट

रायपुर । छत्तीसगढ़ के शिमला के रूप में मशहूर पर्यटन स्थल मैनपाट अब एग्री-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहाँ की अनुकूल जलवायु और राज्य शासन के उद्यानिकी विभाग की कल्याणकारी नीतियां स्थानीय किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। पारंपरिक खेती को छोड़कर यहाँ के प्रगतिशील किसान अब फलोद्यान की ओर रुख कर सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरक सफलता की कहानी मैनपाट के ग्राम बारिमा निवासी कृषक मनोज यादव की है, जिन्होंने ग्राम कुदारीडीह (मेहता पॉइंट के पास) में नाशपाती का सफल बागान तैयार कर शानदार मुनाफा कमाया है। सरकारी मदद से बंजर जमीन पर खड़े किए 170 फलदार वृक्ष कृषक मनोज यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2017-18 में मैनपाट के कमलेश्वरपुर स्थित शासकीय उद्यान रोपणी से नाशपाती के पौधे हासिल किए थे। उन्होंने अपनी 0.500 हेक्टेयर गोड़ा जमीन (पठारी और खाली पड़ी भूमि) पर लगभग 200 पौधे रोपे थे। कुछ पौधे प्राकृतिक कारणों से नष्ट जरूर हुए, लेकिन वर्तमान में उनके पास 170 पूरी तरह से फलदार पेड़ मौजूद हैं। मनोज ने अपनी इस सफलता का श्रेय उद्यानिकी विभाग को देते हुए बताया कि कमलेश्वरपुर उद्यान विभाग के अधिकारी-कर्मचारी समय-समय पर बागान का निरीक्षण करते हैं और खाद की मात्रा से लेकर पौधों के रखरखाव के लिए निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

इस वर्ष ओलावृष्टि और बाजार में बिक्री में हुई थोड़ी देरी के बावजूद, मनोज यादव के बागान से लगभग 2.5 पिकअप (करीब 260 कैरेट) नाशपाती का थोक उत्पादन हुआ। प्रति पिकअप 100 से 110 कैरेट की औसत से 500 रुपये प्रति कैरेट की दर पर थोक बाजार में फसल बेची गई, जिससे लगभग 1,30,000 रुपये की आय हुई। इसके अलावा खुले बाजार और पर्यटकों को सीधे फल बेचकर 25 से 30 हजार रुपये कमाए गए। इस तरह इस सीजन में उन्हें कुल 1.5 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई। मनोज यादव ने बताया कि पिछले वर्ष अनुकूल मौसम के दौरान इसी बागान से उन्हें 2.5 से 3 लाख रुपये की बंपर कमाई हुई थी।

एग्री-टूरिज्म का हॉटस्पॉट बना कुदारीडीह

यह बागान अब केवल फल उत्पादन का जरिया नहीं रहा, बल्कि पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बन चुका है। लालमाटी के नाम से मशहूर इस खूबसूरत स्थान से रायगढ़ क्षेत्र का बेहद मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहाँ रोजाना करीब 100 से 250 पर्यटक प्राकृतिक खूबसूरती का लुत्फ उठाने पहुँचते हैं। पर्यटक यहाँ आकर न केवल 50 से 100 रुपये प्रति किलो की दर से ताजी नाशपाती खरीदते हैं, बल्कि खुद अपने हाथों से पेड़ों से फल तोड़ने का रोमांचक अनुभव भी लेते हैं। पर्यटकों के इस सीधे जुड़ाव से किसानों को बिचौलियों के बिना सीधे अपनी उपज बेचने का एक बेहतरीन मंच मिल रहा है।

युवाओं और अन्य किसानों के लिए बने मिसाल

प्रगतिशील किसान मनोज यादव ने क्षेत्र के युवाओं और किसानों से अपील की है कि वे अपनी खाली पड़ी अनुपयोगी भूमि पर पारंपरिक खेती के साथ-साथ नाशपाती, लीची और अन्य फलदार पौधों की बागवानी अपनाएं। इससे कम रकबे में भी अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है और पर्यटन क्षेत्रों के पास होने के कारण सीधे उपभोक्ताओं को फसल बेचकर अतिरिक्त लाभ भी लिया जा सकता है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के दिए निर्देश

राजनांदगांव । कलेक्टर ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव का आकस्मिक निरीक्षण कर विभिन्न विभागों एवं वार्डों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने रेडियोलॉजी विभाग का निरीक्षण कर प्रतिदिन होने वाले सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी की संख्या तथा विभाग में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से दो सीटी स्कैन टेक्नीशियन की भर्ती हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कैजुअल्टी वार्ड का निरीक्षण किया तथा वहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर मेडिकल कालेज में मिल रही चिकित्सा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैजुअल्टी वार्ड में दो मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

साही के अवैध शिकार पर वन विभाग ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर राज्य सरकार की मुस्तैदी का एक बड़ा असर देखने को मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वन विभाग ने साही (इंडियन पॉर्कुपाइन) के अवैध शिकार के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने त्वरित एक्शन लेते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

आरक्षित वन में हुआ था शिकार, आपस में बांटा मांसयह पूरी कार्रवाई वनमण्डलाधिकारी श्री मयंक पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं उप वनमण्डलाधिकारी श्री गोविंद सिंह के नेतृत्व में वन परिक्षेत्र बागबाहरा की टीम द्वारा की गई।मिली जानकारी के अनुसार, वन विभाग को रैताल बीट के आरक्षित वन कक्ष क्रमांक-154 में साही के अवैध शिकार की सूचना मिली थी। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री नवीन वर्मा के नेतृत्व में टीम ने तत्काल जांच शुरू की। विवेचना के दौरान ग्राम नवाडीह (खम्हरिया) के पांच ग्रामीणों की संलिप्तता सामने आई। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने शिकार करने के बाद साही का मांस आपस में बांट लिया था। आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22666/05 (दिनांक 13 जुलाई 2026) दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 2(16), 9, 39, 50 एवं 51 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम में गिरधारी गोंड, लोकनाथ गोंड, नागेश्वर गोंड, सियाराम राजपूत और नरसिंह कुमार सहित सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

केशरवानी समाज का शपथ ग्रहण अध्यक्ष निखिल ने ली शपथ

सारंगढ। नगर के केशरवानी भवन में केशरवानी सेवा समिति, महिला समिति एवं तरुण सभा का शपथ ग्रहण समारोह गरिमा मय एवं उत्साह पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में स्वजातीय जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि के आगमन एवं स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं महर्षि कश्यप मुनि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का विधिवत शुभारंभ कियें। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उमेश चंद गुप्ता ष्ट, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अभा केशरवानी वैश्य महासभा, रतन मणि केशरवानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अभा केशरवानी वैश्य महासभा व

श्रीमती दिव्या केशरवानी, रा. वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अभा केशरवानी वैश्य महिला सभा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश गुप्ता महामंत्री, छग राज्य केशरवानी वैश्य सभा द्वारा की गई विशिष्टअतिथि के रूप में उमेश केशरवानी, रा. मुख्य संयोजक/राष्ट्रीय प्रभारी समिति, अभा केशरवानी वैश्य महासभा, कृष्ण कुमार केशरवानी, रा.मुख्य संयोजक राष्ट्रीय समन्वय समिति, अभा केशरवानी वैश्य महासभा, देवेंद्र केशर. उपा. छग राज्य केशरवानी वैश्य सभा व श्रीमती प्रतिभा केश. रा. उपा., छग रा. केशरवानी वैश्य महिला सभा सहित गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। तीनों समितियों के अध्यक्षों द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं चंदन तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्वागत नृत्य अनुषा व अपेक्षा के द्वार प्रस्तुत किया गया एवं स्वागत गीत अपर्णा व स्मिता केशरवानी के द्वारा अतिथि गढ़ के सम्मान में मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय कराया गया एवं समाज सेवा, संगठन की मजबूती, समाज के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ शपथ ग्रहण कराया गया।

केशरवानी सेवा समिति सारंगढ़ में अध्यक्ष पद की शपथ निखिल बानी ने ली। महा मंत्री पद पें सतीश केशरवानी, कोषाध्यक्ष पद पर मनोज गुप्ता सहित पूरी कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण किया। केशरवानी महिला समिति में अध्यक्ष पद पर श्रीमती अल्का केशरवानी, महा मंत्री पद पर श्रीमती अंजनी केशरवानी सहित पूरी टीम ने शपथ ग्रहण कियें तरुण सभा में अध्यक्ष पद पर श्री शुभम एवं महामंत्री पद पर श्री अमन सहित पूरी टीम ने शपथ ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण

बालोद। बालोद जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड गुंडरदेही के ग्राम कोटागांव, माहुद, कोड़ेवा, चीचा, तिलोदा के ग्रामीणों द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से व्यक्तिगत घरेलू शौचालय की मांग संबंधी आवेदन दर्ज कराया गया था। शिकायत प्राप्त होने के उपरांत जनपद पंचायत के अधिकारियों द्वारा प्रकरण का परीक्षण किया गया। हितग्राही की पात्रता एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक जाँच पूर्ण की गई। जांच में हितग्राही को योजना के लिए पात्र पाए जाने की स्थिति में कलेक्टर के अनुमोदन उपरांत हितग्राही को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। संबंधित जनपद पंचायत को नियमानुसार आगे की कार्यवाही पूर्ण कर निर्धारित समय-सीमा में शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने एवं भारत सरकार के पोर्टल में एंट्री करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का भव्य शिविर, जिपं अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव ने किया जागरूकता का आह्वान

छुरिया (महाकोशल)। ग्राम पंचायत भंडारपुर में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत जागरूकता एवं पंजीयन शिविर का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योजना की जानकारी प्राप्त की तथा सौर ऊर्जा अपनाने के प्रति रुचि दिखाई। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को जन-जन तक पहुंचाना और पात्र परिवारों को इसका लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम में प्रस्तावित मुख्य अतिथि किरण रविन्द्र वैष्णव, अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव ने उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आम नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती और आत्मनिर्भर ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिकतम लाभ लेने तथा अपने घरों में सोलर रूफटॉप लगाकर बिजली व्यय कम करने और पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री होरीलाल साहू, सरपंच सीमा चंद्रवंशी, जेईई श्री नायक, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के वेंडर, समस्त पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, अनुदान की जानकारी तथा सोलर संयंत्र से होने वाले आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और हरित पर्यावरण, विकसित भारत की मजबूत नींव हैं तथा दोनों अभियानों में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को आमजन के लिए लाभकारी बताते हुए योजना का लाभ लेने के प्रति उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के जागरूकता शिविरों से अधिकाधिक पात्र परिवार योजना से जुड़ेंगे और आत्मनिर्भर एवं हरित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नक्सलमुक्त बस्तर से अब 'योगयुक्त बस्तर' की ओर बढ़ेगा अभियान

रायपुर। नक्सलवाद के खूनी साए से निकलकर बस्तर अब शांति, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास की एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा संचालित नियद नेल्ला नार और आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के परिणामस्वरूप बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। भयमुक्त माहौल में अब 'योग युक्त बस्तर' और 'बस्तर 2.0' के तहत युवाओं को शारीरिक-मानसिक रूप से सशक्त और मुख्यधारा से जोड़ने की अनूठी पहल की जा रही है। क्षेत्र में शांति और मानसिक शांति स्थापित करने हेतु योग शिविरों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो 'योग युक्त बस्तर' की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बीजापुर के एक दिवसीय प्रवास के दौरान आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत योग प्रशिक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले में योग गतिविधियों के विस्तार और अधिक से अधिक लोगों तक योग पहुंचाने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में श्री अग्रवाल ने कहा कि 'नक्सल मुक्त बस्तर अब योग युक्त बस्तर बनेगा।' उन्होंने बताया कि योग आयोग का उद्देश्य योग को जनआंदोलन बनाकर हर व्यक्ति तक इसके लाभ पहुंचाना है।

जो भी काम करें, गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में सफलता पाने की होड़ इतनी बढ़ गई है कि लोग अक्सर परिणाम पर अधिक और प्रक्रिया पर कम ध्यान देते हैं। ऐसे में बहाने बनाना एक सामान्य प्रवृत्ति बनती जा रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि बहाना कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं होता। बहाना केवल हमारी जिम्मेदारियों से बचने का एक आसान रास्ता है, जो धीरे-धीरे हमारी आदत और फिर हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है।

यदि किसी व्यक्ति को हर काम में बहाने बनाने की आदत पड़ जाए तो उसे अपने झूठ को छिपाने के लिए नए-नए झूठ गढ़ने पड़ते हैं। इस तरह बहाना केवल असफलता का कारण नहीं बनता, बल्कि ईमानदारी और विश्वास को भी कमजोर करता है। इसलिए जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। यही सफलता का सबसे मजबूत आधार है।

आज के समय में 'हसल-कल्चर' का बहुत प्रभाव दिखाई देता है। इसका अर्थ है कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए लगातार और अत्यधिक काम करना। कई लोग यह मान लेते हैं कि दिन में 10 से 12 घंटे काम करना ही सफलता की कुंजी है। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। अत्यधिक काम करने की दौड़ में हम अनजाने में अपनी पांच सबसे महत्वपूर्ण चीजें दांव पर लगा देते हैं—स्वास्थ्य, पर्याप्त नींद, विश्राम, सामाजिक संबंध और पारिवारिक जीवन।

कड़ी मेहनत करना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है समझदारी से मेहनत करना। यदि आप दिन में 10 घंटे काम करते हैं तो उनमें से लगभग 8 घंटे अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए समर्पित करें, लेकिन बाकी 2 घंटे स्वयं को मजबूत बनाने में लगाएं। यह समय योग, ध्यान, व्यायाम, पढ़ने, किसी रचनात्मक रुचि, परिवार के साथ समय बिताने या मित्रों से मिलने में लगाया जा सकता है। यही गतिविधियां आपके मन और शरीर को नई ऊर्जा देती हैं, जिससे आपकी कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ती है।

जीवन में संतुलन बनाए रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना सफलता प्राप्त करना। केवल काम करते रहने से व्यक्ति मशीन बन सकता है, लेकिन संतुलित जीवन उसे बेहतर इंसान बनाता है। परिवार का साथ, अपनों का स्नेह, मानसिक शांति और अच्छा स्वास्थ्य ऐसी पूंजी हैं, जिनके बिना कोई भी उपलब्धि अधूरी है।सफल वही व्यक्ति होता है जो अपने दायित्वों से भागता नहीं, बल्कि उन्हें पूरी निष्ठा से निभाता है। बहानों के बजाय समाधान खोजने की आदत विकसित करें।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान राम ने लक्ष्मणजी को सुमित्रा अंबा के जिस पाठशाला में भेजा उसमें लक्ष्मणजी को जो प्रेरणा मिली वह सर्वथा अनोखी थी। यद्यपि सारे संसार के लोग तो यही कहते हैं कि लक्ष्मणजी ने भगवान के लिए बड़ा त्याग किया। और लक्ष्मणजी के मन में यह बात आ जाती कि मैंने तो प्रभु के लिए बड़ा त्याग किया है, तो उसका परिणाम अनर्थकारी भी हो सकता था। क्योंकि संसार में झगड़ा इसीलिए होता है कि जब हम समझते हैं कि हमने अमुक के लिए बड़ा त्याग किया है, तथा बड़े त्याग के बदले हमारे मन में बड़े सम्मान की आशा बँध जाती है। किंतु जब हमको यह लगता है कि हमारे त्याग का समुचित फल प्राप्त नहीं हो रहा है तो हमारे अंत:करण में प्रतिकूल वृत्ति का उदय होता है। इसलिए सुमित्रा अंबा ने कहा कि लक्ष्मण तुम यह भ्रम मत पालना कि तुमने राम के लिए त्याग किया है, वस्तुत: सत्य तो यह है कि तुम राम के लिए त्याग नहीं कर रहे हो, बल्कि राम ही तुम्हारे लिए त्याग कर रहे हैं। तथा व्याख्या करके बता दिया कि तुम काहे का त्याग कर रहे हो ? यदि कोई कह दे कि क्या लक्ष्मणजी वन जाकर त्याग नहीं कर रहे हैं ? सुमित्राजी ने मानो कौशल्या अंबा के वाक्य की ओर ध्यान दिलाया कि तुम कहां जा रहे हो ? क्योंकि –

अवध तहाँ जहाँ राम निवासू।
तहँइ दिवसु जहँ भानु प्रकासू।।

लक्ष्मण ! तुम तो अयोध्या जा रहे हो, वन में तो हम लोग हैं। और अयोध्या में तुम्हें किसी प्रकार के कष्ट की आशंका नहीं करनी चाहिए क्योंकि –

तुम कहुँ बन सब भाँति सुपासू। सँग पितु मातु रामु सिय जासू।।

अरे ! सीता जैसी मां और राम जैसे पिता जिसके साथ निरंतर विद्यमान हों उससे बढ़कर सौभाग्यशाली भला कौन होगा ? इसलिए तुम सर्वदा यह याद रखना कि राम तुम्हारे लिए अपने पिता को छोड़कर जा रहे हैं, भरत को छोड़कर जा रहे हैं, राज्य को छोड़कर जा रहे हैं। तुम कोई त्याग नहीं कर रहे हो। लक्ष्मणजी ने मां के चरणों को पकड़ लिया, उन्हें लगा कि यदि यहां विदाई लेने न आता तो बड़े घाटे में रहता।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

कॅरिअर काउंसलिंग से परे क्यूरियोसिटी काउंसलिंग की ओर कदम बढ़ाने चाहिए

आठवीं कक्षा से ही हर अकादमिक सत्र में क्लास टीचर एक ही सवाल पूछती थीं कि 'बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?' लड़का एक ही जवाब देता, 'अभी नहीं जानता।' जबकि सहपाठियों की महत्वाकांक्षा पहले से तय थीं- डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट या बैंकर। यह लड़का हमेशा 'अन-डिसाइडेड' ही रहता था।

टीचर को लगता था कि वह स्लो-लर्नर है, इसलिए जवाब देने का दबाव नहीं डालती थीं। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उसका सपना तो दूसरों से ज्यादा अनोखा था। उसके पिता कॉबलर थे और 13 सालों से वह उन्हें फुटवियर बनाते देख रहा था। हर सिलाई, हर सोल और हर ग्राहक उसकी पाठशाला बन गया था। चुपके से उसके भीतर एक सपना पनप चुका था। कॉबलर बनने का नहीं, बल्कि यह कि एक दिन वह खुद की शू कंपनी में पिता को चेयरमैन बनाएगा। लेकिन जगहंसाई के डर से उसने सपना किसी से साझा नहीं किया।

एक दोपहर टीचर ने उसे जूते बनाने की प्रक्रिया में डूबे देखा। अगले हफ्ते उन्होंने एक शू कंपनी के मालिक को क्लास में बुलाया। जैसे-जैसे सेशन आगे बढ़ा, शांत रहने वाला लड़का बिल्कुल बदल गया। उसने लेदर ग्रेड, मोल्ड्स, प्रोडक्शन लाइन, क्वालिटी कंट्रोल, एक्सपोर्ट, मशीनरी, सप्लाई चेन और ब्रांडिंग को लेकर सवाल पूछे। आंत्रप्रेन्योर हैरान रह गया।

ज्यादातर स्टूडेंट्स ने भी ये शब्द पहली बार सुने, लेकिन लड़का इंडस्ट्री की भाषा बोल रहा था। आंत्रप्रेन्योर ने तुरंत उसकी जिज्ञासा पहचान ली, जो किताबें कभी नहीं दे सकतीं। सेशन के अंत में उसने लड़के को छुट्टियों के दौरान स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप का ऑफर दिया और मेंटर बनने का वादा भी किया। इसी अवसर ने उसके सपने को दिशा दे दी।

यह महज एक इंस्पायरिंग स्टोरी नहीं है। यह कैलिफोर्निया की 'लिंक्ड लर्निंग अलायंस' की फिलॉसफी को दर्शाती है। यह एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो स्कूलों के साथ साझेदारी में 3.30 लाख से अधिक स्टूडेंट्स के लिए 600 से ज्यादा कॅरिअर पाथवे तैयार कर रही है। चंद पारंपरिक पेशों में फिट होने के बजाय स्टूडेंट्स यहां कृषि, मनोरंजन और पब्लिक पॉलिसी जैसे विविध क्षेत्रों को एक्सप्लोर करते हैं।

लिंक्ड लर्निंग सिर्फ विशेषज्ञों की स्पीच ही आयोजित नहीं करती, बल्कि स्टूडेंट्स को ड्यूल एनरोलमेंट के जरिए कॉलेज क्रेडिट दिलाने और उद्योगों द्वारा मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन हासिल करने में भी मदद करती है। यहां शिक्षा क्लासरूम तक सीमित होने के बजाय वास्तविक जीवन से जुड़ जाती है।

इस पहल में आर्थिक रूप से वंचित परिवारों के स्टूडेंट्स पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि परिस्थितियों की मजबूरी के चलते प्रतिभा का दम न घुट जाए। इनमें से कई पार्टिसिपेंट शायद कभी पारंपरिक कॉलेज शिक्षा न लें, फिर भी वे अपनी स्किल, आत्मविश्वास और कॅरिअर अवसरों के साथ ग्रेजुएट होते हैं।

इस पहल की एक और खासियत है- लगातार मिलने वाला फीडबैक। हर प्रोजेक्ट के बाद छात्र अपना काम उद्योग विशेषज्ञों के सामने रखते हैं, जो केवल ज्ञान को ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा, कम्युनिकेशन, धैर्य और प्रॉब्लम-सॉल्विंग जैसी खूबियों को भी परखते हैं। टीचर उस फीडबैक को क्लासरूम लर्निंग में शामिल करते हैं, जिससे हर बच्चा अपनी ताकत के साथ पढ़ाई में आगे बढ़ता रहता है।

कई बार परिणाम स्टूडेंट की मूल रुचि से सीधे जुड़े हुए भी नहीं होते। इतिहास में रुचि रखने वाला कोई छात्र आगे चलकर पीडियाट्रिशियन बन सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति की कहानी को धैर्य से समझने, सोच-समझकर सवाल पूछने और असम्बद्ध दिखने वाले तथ्यों को जोड़ने की आदत ही वह खूबी है, जो उसे असाधारण डॉक्टर बनाती है। रुचि ऐसी क्षमताएं विकसित करती है, जो अकसर विषय से भी ज्यादा मायने रखती है।

शायद स्कूल अब तक बच्चों से गलत सवाल पूछते रहे हैं। 'बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?' इसके बजाय उन्हें पूछना चाहिए कि 'ऐसा क्या है जिसमें तुम्हें समय का पता ही नहीं चलता? कौन-सी समस्या तुम्हें उत्साहित करती है? किस चीज को लेकर तुम्हारे भीतर स्वाभाविक जिज्ञासा है?

कॅरिअर जीवन में कई बार बदल सकते हैं, लेकिन जिज्ञासा बहुत कम बदलती है। शिक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी डॉक्टर, इंजीनियर या आंत्रप्रेन्योर तैयार करना नहीं है। उसकी जिम्मेदारी है पर्याप्त समय रहते बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचान लेना, ताकि वह खुद पर भरोसा करना शुरू कर दें- इससे पहले कि दुनिया उनसे कहे कि वे क्या नहीं बन सकते।

फंडा यह है कि भविष्य उन्हीं लोगों का है, जिन्हें पता है कि सच में उन्हें क्या करना पसंद है और जिन्हें उस काम को आगे बढ़ाने का मौका दिया जाता है।

सड़कों के साथ ही 'ड्राइवरों' का अच्छा होना भी उतना ही जरूरी है

आप अपनी लेन में चल रहे हैं, सुरक्षित दूरी बनाए हैं और गाड़ी भी निर्धारित स्पीड में ही चला रहे हैं। तभी अचानक कोई दूसरा वाहन बिना चेतावनी के सामने से कट मार देता है। कोई मोटरसाइकिल वाला गलत दिशा से आ जाता है। कोई कार एग्जिट चूक जाने के बाद हाईवे पर ही रिवर्स होने लगती है। कोई ट्रक फास्ट-लेन घेरे रहता है। इंडिकेटर दिखावे की चीज बने रहते हैं। हाई बीम सामने से आने वालों को लगभग अंधा बना देती है। मोबाइल ड्राइवर का ध्यान स्टीयरिंग से भटकाता रहता है।

ये दृश्य इतने आम हो चले हैं कि अब हमें हैरानी भी नहीं होती। कई मायनों में ये भारत में रोजमर्रा की ड्राइविंग का हिस्सा बन चुके हैं। जब भी कोई गंभीर एक्सीडेंट होता है तो सार्वजनिक बहस आमतौर पर सड़कों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। क्या सड़क पर गड्ढा था? हाईवे का डिजाइन खराब था? सेफ्टी बैरियर नहीं थे? ये सवाल महत्वपूर्ण भी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फलोदी दुर्घटना मामले में ऐसी कई चिंताओं को हाईलाइट किया और हाईवे की सुरक्षा सुधारने के निर्देश जारी किए। अदालत ने हाईवे प्रबंधन और अतिक्रमण से लेकर इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम तथा दुर्घटना रोकथाम उपायों तक कई मुद्दों पर विचार किया। यह दखल जरूरी था, क्योंकि बेहतर सड़कें, सुरक्षित हाईवे और तेज इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम जान बचा सकते हैं। लेकिन यह फैसला ऐसे सवाल पर भी ध्यान दिलाता है, जो शायद ही कभी पूछा जाता है- क्या हम ड्राइवरों पर भी ध्यान दे रहे हैं?

सड़क सुरक्षा की शुरुआत हाईवे से नहीं होती, बल्कि तब होती है जब कोई वाहन चलाने का अधिकार प्राप्त कर लेता है। ड्राइविंग लाइसेंस सरकार द्वारा दी जाने वाली सबसे महत्वपूर्ण अनुमतियों में से एक है। यह किसी व्यक्ति को पल भर में भारी नुकसान पहुंचा सकने वाली मशीन चलाने का अधिकार दे देता है। लेकिन व्यवहार में ड्राइविंग लाइसेंस लेने की प्रक्रिया को अकसर कौशल, निर्णय-क्षमता और जिम्मेदारी के गंभीर आकलन के बजाय एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया मान लिया जाता है।

इसके नतीजे रोज दिखते हैं। लेन अनुशासन की अनदेखी होती है। गलत साइड से ओवरटेक आम बात है। चालक असुरक्षित स्थानों पर वाहन रोक देते हैं, बेमतलब हाई बीम का इस्तेमाल करते हैं और ट्रैफिक सिग्नल को मानते नहीं। ऐसे व्यवहार को अकसर महज अनुशासनहीनता माना जाता है। लेकिन समस्या इससे गहरी है : बहुत-से ड्राइवरों को कभी ठीक से सिखाया ही नहीं गया कि ये नियम आखिर क्यों बनाए गए हैं।

वाहन को स्टार्ट करना, गियर बदलना, रिवर्स और पार्क करना मैकेनिकल स्किल हैं, जबकि ड्राइविंग के लिए जागरूकता, निर्णय-क्षमता और अनुशासन जरूरी होता है। मतलब, खतरों का अनुमान लगाना, सुरक्षित दूरी बनाए रखना, लेन अनुशासन का पालन, ब्लाइंड स्पॉट्स को समझना और यह मानना कि सड़क पर लिया हर निर्णय दूसरों की सुरक्षा को प्रभावित करता है। कोई व्यक्ति वाहन चलाना जानता हो, तब भी वह अनसेफ ड्राइवर हो सकता है। पर लाइसेंसिंग प्रक्रिया मानती है कि वाहन चला सकना ही सुरक्षित ड्राइविंग की क्षमता भी है। भारत में 2024 में 4.68 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1.75 लाख से अधिक लोग मारे गए। 61% से अधिक दुर्घटनाएं अकेले ओवर-स्पीडिंग से हुईं। 26% का कारण खतरनाक या लापरवाही भरी ड्राइविंग और ओवरटेकिंग रहा। ज्यादातर दुर्घटनाओं के लिए ये दोनों ही जिम्मेदार हैं। वर्षों तक हमने इस बात पर चर्चा की है कि सड़कें कैसी बनाई जानी चाहिए। लेकिन अब हमें सुनिश्चित करना होगा कि ड्राइविंग लाइसेंस वास्तव में योग्यता का प्रमाण बने। ड्राइविंग-एजुकेशन को मजबूत करने की भी जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

राजनीति में उपचुनावों का ट्रेंड किस ओर इशारा करता है?

भारत में उपचुनाव तभी कराए जाते हैं, जब किसी विधानसभा या लोकसभा सीट के रिक्त हो जाने के बाद अगला चुनाव होने में छह माह से अधिक का समय शेष हो। लेकिन लोगों का ध्यान कुछ उपचुनाव ही खींच पाते हैं। वर्तमान में तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव प्रस्तावित हैं। इनमें बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मंजलपुर विधानसभा सीट शामिल हैं।

मंजलपुर को लेकर शायद ही कोई चर्चा हो रही हो, लेकिन दतिया और बांकीपुर उपचुनाव अलग-अलग कारणों से सुर्खियों में हैं। सियासी तौर पर दोनों सीटों के उपचुनाव ने लोगों में रुचि पैदा की है। लेकिन यह रुचि थोड़े समय की ही साबित हो सकती है, क्योंकि दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टी बड़ी संख्या में वोटरों की पसंद बनी हुई दिखाई देती है।

आंकड़े भी बताते हैं कि उपचुनावों में अधिकतर वोटरों की पहली पसंद राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ही होती है। बीते पांच वर्षों में विभिन्न राज्यों में 153 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए। इनमें से 119 सीटों पर सत्तारूढ़ दल या गठबंधन ने जीत हासिल की, जो 78% सफलता दर को दर्शाता है। वहीं विपक्षी दलों या गठबंधनों के उम्मीदवार 34 सीटें ही जीत पाए। उनकी सफलता दर 22% रही। उपचुनावों के संदर्भ में यही पैटर्न बीते पांच सालों से दिखाई दे रहा है।

मौजूदा उपचुनावों से पहले 2026 में 7 अन्य उपचुनाव हुए थे और सभी सीटों पर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी या गठबंधन जीता था। 2025 में 15 सीटों पर उपचुनाव हुए, जिनमें से 9 सीटें राज्य की सत्ता पर काबिज दल या गठबंधन ने जीतीं, जबकि 6 विपक्ष के खाते में गईं। 2024 की

तस्वीर भी इससे अलग नहीं थी।

उस वर्ष 86 सीटों पर हुए उपचुनाव में 69 सीटें सत्तारूढ़ दल/गठबंधन ने जीती, जबकि 17 पर विपक्षी दलों/गठबंधनों ने जीत दर्ज की। 2023 में 17 उपचुनावों में 12 सीटों पर सत्ताधारी दल/गठबंधन जीता और 5 सीटें विपक्षी उम्मीदवारों के खाते में गईं। इसी तरह 2022 में 28 सीटों के उपचुनाव में 22 पर सत्तारूढ़ दल या गठबंधन विजयी रहा और विपक्ष के उम्मीदवार केवल 6 सीटें ही जीत पाए।

दतिया और बांकीपुर के उपचुनावों ने सियासी दिलचस्पी पैदा की है। खासकर तब, जब भाजपा ने बांकीपुर विधानसभा सीट पर अपना उम्मीदवार बदल दिया और मध्यप्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्र को दतिया से टिकट नहीं दिया गया तो भाजपा कार्यकर्ता इसके विरोध में उतर आए। मिश्र राज्य के कद्दावर नेता रहे हैं। लेकिन पार्टी ने उनकी जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाने का निर्णय किया।

बांकीपुर सीट पर भी भाजपा ने पहले अभिषेक कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद भाजपा ने नीरज कुमार सिन्हा को टिकट दिया। बांकीपुर सीट इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर यहां से चुनावी डेब्यू कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उनकी पार्टी वर्ष 2025 में पहली बार बिहार चुनाव में मैदान में उतरी थी, लेकिन प्रशांत खुद किसी सीट से चुनाव नहीं लड़े थे। चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। उसे केवल 3.5% मत मिले और वह खाता तक नहीं खोल पाई थी।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि दतिया और बांकीपुर सीटें इसलिए चर्चा में नहीं हैं कि विपक्ष ने इनमें कद्दावर नेताओं को उम्मीदवार बनाया है अथवा यहां कोई बेहद दिलचस्प चुनावी मुकाबला होने जा रहा है। इन दोनों उपचुनावों पर चर्चा किन्हीं अन्य कारणों से हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा के भीतर कुछ उथल-पुथल है, जो कि एक असामान्य स्थिति मानी जाती है। इसके चलते भी ये दोनों उपचुनाव दिलचस्प बन गए हैं।

बीते 5 वर्षों के 153 उपचुनाव एक ट्रेंड की ओर संकेत करते हैं। यह कि एक औसत भारतीय वोटर उम्मीदवार के बजाय पार्टी के लिए वोट देना पसंद करता है। छोटे राज्य इसमें अपवाद हो सकते हैं, जहां प्रत्याशी की लोकप्रियता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मेरे जीवन के उत्थान-पतन के नियंता हैं महाप्रभु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएं और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती, किंतु सांझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूं। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूं :

'मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर,
यह बात याद कर हृदय में पूजूंगा उन्हें निरंतर।'

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अकसर उनकी चर्चा होती थी। गांव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गांव के स्कूल में पढ़ती थी, भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के

शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं।

जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आंखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र हैं चांदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' ('बोड़ो दांडो') है और उनका समुद्र 'महोदधि' है।

मयूरभंज के उपरबेड़ा गांव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहां मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। होस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है।

बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं? क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहां आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर।

किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर 'विशाल पथ' ('बोड़ो दांडो') पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहां सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूं। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दु:ख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दु:खों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूं!

राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया।

इतनी ऊंचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना- यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए।

आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैम्पेन में भाग लिया। 25 जुलाई 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह सम्पन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। वह 10 नवंबर, 2022 का दिन था।

पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुंचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है।

19 जुलाई को रायपुर-बिलासपुर रूट की 8 ट्रेनें रद्द:भाटापारा-हथबंध के बीच ऑटो सिग्नलिंग का काम, कोरबा और गेवरा रोड की ट्रेनें भी प्रभावित

रायपुर। अगर आप 18 या 19 जुलाई को रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, गेवरा रोड या झारसुगुड़ा रूट पर ट्रेन से सफर करने वाले हैं तो पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर चेक कर लें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में भाटापारा-हथबंध स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन पर ऑटो सिग्नलिंग की कमीशनिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) का काम किया जाएगा।

इसके चलते कई पैसेंजर और मेमू ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि दो ट्रेनें बिलासपुर से ही चलेंगी और वहीं तक आएंगी।

जानिए क्या होगा काम?

रेलवे के मुताबिक भाटापारा-हथबंध सेक्शन में तीसरी लाइन पर ऑटो सिग्नलिंग सिस्टम शुरू करने के लिए एनआई (नॉन-इंटरलॉकिंग) का काम किया जाएगा। यह काम रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसी वजह से इस रूट पर ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगा।

दो ट्रेनें बिलासपुर तक ही चलेंगी

68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू 18 और 19 जुलाई को बिलासपुर से ही रवाना होगी। यानी गोंदिया से बिलासपुर के बीच यह ट्रेन रद्द रहेगी।

68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू 18 और 19 जुलाई को बिलासपुर में ही समाप्त होगी। यानी बिलासपुर से गोंदिया के बीच इसका संचालन नहीं होगा।

ये ट्रेनें रहेंगी रद्द...

18 जुलाई

68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर

19 जुलाई

68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर
68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर
68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर
68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर

18 और 19 जुलाई

68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर
58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर
58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

बंगाल में बने सिस्टम से 48 घंटे बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। आज (16 जुलाई) कई जगहों पर हल्की से मध्यम, जबकि कुछ इलाकों में भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश में 1 जून से अब तक सामान्य से 29% कम बारिश दर्ज की गई है। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में अच्छी बारिश होने से इस कमी में सुधार आ सकता है।

बुधवार को प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस बिलासपुर में रिकॉर्ड किया गया।

10 हजार गुरुजी स्कूलों में नहीं:कोई कलेक्टोरेट में जन्म प्रमाण पत्र बना रहा, कोई पीए बन गया

रायपुर। शिक्षा विभाग में वर्षों से खामोशी से फल-फूल रहा 'संलग्नीकरण उद्योग' आखिरकार एक मोबाइल स्क्रीन पर आकर अटक गया। जिस खेल को खत्म करने के लिए हर साल कागजी आदेश निकलते रहे, वह इस बार किसी जांच समिति या प्रशासनिक सख्ती से नहीं, बल्कि ऑनलाइन हाजिरी की एक क्लिक से बेनकाब होने लगा है।

प्रदेश में करीब 10 हजार से ज्यादा शिक्षक, बाबू और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अपनी मूल पदस्थापना छोड़कर दूसरे विभागों (अटैचमेंट) में काम कर रहे हैं। कोई कलेक्टोरेट और तहसील में प्रमाण-पत्र बना रहा है, कोई बाढ़ नियंत्रण कक्ष में तैनात है, तो कोई पंचायत कार्यालय में बाबू का काम कर रहा है।

कई शिक्षक पात्रता न होने के बावजूद जनप्रतिनिधियों के निजी स्टाफ तक बने हुए हैं। दरअसल, कुछ साल पहले विधानसभा में एक सवाल पूछा गया था कि कितने शिक्षक या स्टाफ मूल काम के बजाय दूसरी जगह अटैच है। तब सरकार की ओर से बताया गया था आंकड़ा 9 हजार के पार है।

इसे लेकर एक अधिकारी ने भी पुष्टि की कि आंकड़ा 10 हजार के पार है। मामला को लेकर सरकार का भी स्पष्ट निर्देश है अटैचमेंट खत्म होगा वरना तनख्वाह नहीं मिलेगी।

इस संलग्नीकरण उद्योग का सबसे दिलचस्प चेहरा व्यायाम शिक्षकों का है। जिनकी मूल जिम्मेदारी बच्चों को खेल, व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों से जोड़कर उनका भविष्य मजबूत करना है, वे कई जगह कलेक्टोरेट और पंचायत कार्यालयों में बैठकर फाइलों पर बाबूगिरी की 'कसरत' कर रहे हैं।

यह तब है, जब शिक्षा विभाग खुद बच्चों के लिए अलग से व्यायाम का पीरियड तय कर चुका है और शनिवार को बाकायदा 'बैगलेस डे' मनाया जा रहा है ताकि बच्चे खेलें, दौड़ें और शारीरिक गतिविधियों में भाग लें। लेकिन विडंबना देखिए, जिन शिक्षकों को मैदान में सीटी बजाकर बच्चों को दौड़ाना चाहिए, वे खुद दफ्तरों में अफसरों की फाइलों की दौड़ में शामिल हैं।

शिक्षा विभाग ने 1 जुलाई से शिक्षक, बाबू, चपरासी, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी समेत पूरे अमले के लिए ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। व्यवस्था की सबसे अहम शर्त यह है कि हाजिरी केवल उसी स्कूल या कार्यालय से लगेगी, जहां कर्मचारी की वास्तविक पदस्थापना है।

यही शर्त वर्षों से चल रहे संलग्नीकरण के खेल पर भारी पड़ गई। हाजिरी नहीं लगाने पर वेतन रोकने के निर्देश के बाद अब जिलों से गायब कर्मचारियों की सूची मुख्यालय भेजी जा रही है। इससे उन रसूखदारों में खलबली मच गई है जो 10-10 साल से दूसरे विभागों में मलाई काट रहे थे, जबकि उनका वेतन शिक्षा विभाग के बजट से निकल रहा है।

बिलासपुर: विधायक के पीए बन गए गुरुजी

बिलासपुर जिले में 57 शिक्षकों का अटैचमेंट किया गया है। इसकी सूची भी जारी की गई है, जिसमें बताया गया कि वे किन-किन कार्यालयों में जुगाड़ से अटैच हैं। इनमें एक शिक्षक विधायक के साथ अटैच हैं। यही स्थिति अन्य जिलों की है।

कोंडागांव से आया सबसे चौंकाने वाला पत्र कर्मचारी जहां अभी हैं, वहीं काम करने दें

भास्कर की पड़ताल में सबसे हैरान करने वाला दस्तावेज कोंडागांव से सामने आया। यहां तो सिस्टम को बचाने के लिए बाकायदा कलेक्टर ने ही शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिख दिया और संलग्नीकरण खत्म नहीं करने की विशेष छूट मांग ली।

पत्र के साथ बाकायदा शिक्षक, बाबू और चपरासी तक की पूरी सूची भेजी गई है कि कौन कहां अटैच है। पत्र में अजीबोगरीब तर्क दिया गया है कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण फिलहाल इन्हें वहीं काम करने दिया जाए, जहां वे अभी अवैध रूप से तैनात हैं।

संलग्नीकरण समाप्त होगा

राज्य शासन के सभी निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। शिक्षा विभाग में भर्ती कर्मचारियों का अन्य जगहों पर संलग्नीकरण उपयुक्त नहीं है। इससे स्कूलों में पढ़ाई और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है।

- डॉ कमलप्रीत सिंह, शिक्षा सचिव

PWD के द्वारा बनाए रोड एक वर्ष नहीं हुए हैं कि गड्ढे ही गड्ढे आ रहा है नज़र

खरोरा। खरोरा नगर के मुख्य मार्ग जोकि करोड़ों रुपए की लागत से बनाया गया है जो की नायक टार से लेकर नानक चंद पेट्रोल पम्प तक बना गया है जिस को बनाए साल भर तो क्या छे महीने भी नहीं हुए हैं और रोड बीच से टूट हुए नज़र आना गुणवत्ताहीन कार्यों को प्रस्तुत करता है विधायक अनुज शर्मा के अथक प्रयासों से नायक टार से लेकर नानक चंद चंद पेट्रोल पम्प रोड को बनाने के लिए पी डब्लू डी विभाग को दिया गया था जिसमें घोर लापरवाही और गुणवत्ता हीन कार्यों के चलते रोड ऐसे बनाए गए हैं जो की पहला बरसात में ही गड्ढे नज़र आ रहे हैं गड्ढे , मुख्य मार्ग में देखें गए हैं जिसका यदि जल्द सुधारा नहीं गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है

इसी प्रकार मुख्य चौक जिसे तिगड्डा चौक के नाम से जाना जाता है उस पर भी बीच में गड्ढा खुदाई करने के बाद उसको ऐसे खराब तरीके से पाटा गया है जिससे बड़े बड़े बोल्डर पत्थर रोड के ऊपर साफ़ नज़र आ रहे हैं छोटे चेचिस के गाड़ी हमेंशा टकराते देखें गए हैं इस रोड में दिन भर में लगभग हज़ार से 15 सो हेवी गाड़ियाँ गुज़रती है वह मुख्य मार्ग होने के कारण स्कूल वाले बच्चों को भी आवागमन लगभग बना ही रहता है क्योंकि उसी रास्ते से बाज़ार जाने के मार्ग उसी रास्ते से बस स्टैंड के मार्ग होकर जाता है इसलिए ऐसे गड्ढों को तत्काल रूप से सुधारने की आवश्यकता है क्या जन प्रतिनिधि और प्रशासन की इस और कोई ध्यान नहीं जाता आख़िर ऐसे लापरवाही काम कई चलेगा यह सूचना विशाल है कुछ लोगों कभी ज़ुबान से यह भी कहना है ऊपर प्रशासनिक सेटिंग के चलते ए विभागों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाति क्या यह सही बात है!

दंतेवाड़ा मेडिकल कॉलेज:50 सीटें मिलीं पर भवन नहीं...स्कूल भवन में होगी पढ़ाई

रायपुर/दंतेवाड़ा। दक्षिण बस्तर के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि जल्द साकार होने जा रही है। दंतेवाड़ा में शासकीय मेडिकल कॉलेज की शुरुआत इसी शैक्षणिक सत्र में करने के लिए पहली बैठक आयोजित की गई। प्रथम चरण में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) की टीम के निरीक्षण और मंजूरी के बाद कॉलेज औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा। मेडिकल कॉलेज 32 एकड़ में बनेगा। यह दक्षिण बस्तर के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा कदम होगा। 366 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज तैयार होगा। काम शुरू कर दिया गया है। कॉलेज में गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल का काम हाल ही में शुरू किया गया है। स्थायी भवन निर्माण पूरा होने तक टेकनार मार्ग स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय को अस्थायी मेडिकल कॉलेज परिसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका निरीक्षण आयुक्त, बस्तर ने किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को देखा। यहां कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाएं मेडिकल कॉलेज के मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही हैं।

कोई भी बीएच सीरीज की गाड़ी खरीद सकेगा:खरीदार को छत्तीसगढ़ का नंबर मिलेगा, अब तक वे ही खरीद सकते थे जिनके दफ्तर 4 राज्यों में हों

रायपुर। बीएच यानी भारत सीरीज का नंबर लेने के बाद गाड़ी मालिक ऐसी गाड़ियों को री-सेल केवल उन्हीं लोगों को कर सकते हैं जो इस नंबर को लेने के लिए पात्र हैं। यानी आम लोगों को बीएच सीरीज की गाड़ी नहीं बेची जा सकती है।

राजधानी समेत राज्यभर में इस तरह की शिकायतें आने के बाद अब छत्तीसगढ़ सरकार अब इस नियम से लोगों को राहत देने की तैयारी कर रही है। नियमों में बदलाव के तहत आम लोग भी बीएच सीरीज की गाड़ियां री-सेल में खरीद सकेंगे, लेकिन उन्हें बकाया टैक्स खुद जमा करना होगा। इसके अलावा ऐसे लोगों को बीएच सीरीज के बजाय सीजी सीरीज का नंबर अलॉट किया जाएगा।

नए नियम में बदलाव की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। दैनिक भास्कर को मिली जानकारी के अनुसार बीएच सीरीज की गाड़ियों का नाम ट्रांसफर भी आसान नहीं है।

अगर पिता बीएच सीरीज का नंबर लेकर गाड़ी खरीदते हैं और बाद में उसे अपने घरवालों के नाम भी करते हैं तो ट्रांसफर तभी होगा जब उनमें से कोई बीएच सीरीज लेने का पात्र नहीं होगा। नाम ट्रांसफर कराने के लिए केवल रायपुर आरटीओ में ही 50 से ज्यादा आवंदन लंबित हैं। नियम सख्त होने की वजह से बीएच सीरीज गाड़ियों का नाम ट्रांसफर भी आसानी से नहीं होता है।

इसलिए अभी नाम ट्रांसफर नहीं

हर व्यक्ति पात्र नहीं: बीएच सीरीज में वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पात्रता निर्धारित है, इसलिए इसे सामान्य गाड़ियों की तरह किसी भी व्यक्ति के नाम ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है।

आरटीओ टैक्स पर पेंच: बीएच सीरीज के पात्र व्यक्ति को ही वाहन बेचने पर कितना आरटीओ टैक्स लगेगा, यह अभी तय नहीं है।

पिछले 2 साल में एक भी गाड़ी नहीं बिकी, न ऑनरशिप बदली

छत्तीसगढ़ राज्य में कई जिले ऐसे हैं जहां पिछले 2 साल से बीएच सीरीज गाड़ियों की ऑनरशिप नहीं बदली हैं। नाम ट्रांसफर नहीं होने की वजह से री-सेल भी नहीं हुई है।

परिवहन विभाग के अनुसार सरगुजा और बस्तर संभाग के जिलों में पिछले 2 साल में किसी ने भी बीएच सीरीज की गाड़ी बेचने के बाद नाम ट्रांसफर के लिए आवेदन नहीं दिया है। आपसी समझौते या एग्रीमेंट के तहत ही बीएच सीरीज की गाड़ियां दोबारा बेची जा रही हैं।

नकटी के 85 परिवारों के लिए कांग्रेस की न्याय पदयात्रा : बैरिकेड पर पुलिस से झूमाझटकी, लोकभवन के सामने धरने पर बैठे

रायपुर। नकटी गांव में बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित 85 परिवारों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को नकटी से राजभवन (लोकभवन) तक करीब 14 किलोमीटर लंबी न्याय पदयात्रा निकाली।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में निकली पदयात्रा में प्रभावित परिवारों के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेसी शामिल हुए। हालांकि पदयात्रा के दौरान बैज के पैर में पुरानी मोच उभरने पर उन्हें बीच रास्ते से कार से राजभवन जाना पड़ा।

वहीं रैली के तेलीबांधा चौक के पास पहुंचते ही पुलिस, ग्रामीणों और कांग्रेस नेताओं के बीच जमकर झड़प और धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता और गांव वालों ने बेरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोका।

पदयात्रा सुबह 9 बजे नकटी गांव से शुरू होकर वीआईपी रोड, पीटीएस चौक, माना, फुंडहर, राम मंदिर चौक और तेलीबांधा गौरव पथ होते हुए लोकभवन पहुंची। यात्रा के दौरान प्रभावित परिवारों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'नकटी में ही घर बनाकर दो' और 'हमें गांव से बेदखल करना बंद करो' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं और प्रभावित परिवारों ने वीआईपी रोड में सड़क पर बैठकर सामूहिक भोजन भी किया। मेक इन इंडिया चौक के पास प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान कुछ देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही और सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। इधर, लोकभवन पहुंचने पर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिलने की प्रतीक्षा करता रहा। पार्टी नेताओं का आरोप था कि दो बार समय मांगे जाने के बावजूद राज्यपाल से मुलाकात का अवसर नहीं दिया गया। इसके विरोध में कांग्रेस नेता और प्रभावित परिवार लोकभवन के सामने धरने पर बैठ गए।

पदयात्रा में टीआई, दो सिपाही घायल

नकटी गांव से निकली कांग्रेस की न्याय पदयात्रा के दौरान ग्रामीण, कांग्रेस नेताओं के साथ पुलिस की झूमाझटकी में एक टीआई और दो पुलिसवाले भी घायल हो गए हैं। उनका मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस का आरोप है कि जब उन्होंने लोगों को रोका तो वे बेरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे।

शौचालय योजना की राशि के लिए रिश्वत मांगने का आरोप: हितग्राही ने सीईओ जिला पंचायत से की शिकायत, कार्रवाई की मांग

तिल्दा। रायपुर जिले के तिल्दा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत केसला के निवासी तुकाराम पाल ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत शौचालय प्रोत्साहन राशि में अनियमितता, अवैध वसूली और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

इस मामले में उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत रायपुर को लिखित शिकायत सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि ग्राम पंचायत केसला में कई हितग्राहियों ने शौचालय निर्माण पूरा कर लिया है, लेकिन उन्हें अब तक सरकार की ओर से मिलने वाली 12,000 की प्रोत्साहन राशि नहीं मिली है।

राशि जारी करने के नाम पर 2 हजार मांगने का आरोप

आवेदन के मुताबिक, पंचायत कर्मियों की ओर से हर हितग्राही से 2,000 की अवैध वसूली की मांग की जा रही है। आरोप है कि 1,000 फाइल पास कराने से पहले और 1,000 राशि स्वीकृत होने के बाद देने की बात कही जा रही है।

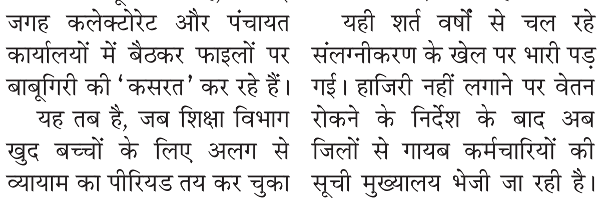

पंचायत कर्मी इसके लिए जनपद पंचायत तिल्दा के अधिकारियों का नाम भी ले रहे हैं।

शिकायतकर्ता से मांगे गए 2,500

तुकाराम पाल का आरोप है कि उनसे व्यक्तिगत रूप से 2,500 की मांग की गई। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई।

शिकायत वापस लेने का बनाया गया दबाव

शिकायतकर्ता के अनुसार, शिकायत की जानकारी मिलने पर ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव ने मामले को दबाने की कोशिश की। आरोप है कि पंचायत कर्मी पूजा देवांगन एक पत्र लेकर उनके पास पहुंचीं और उस पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया, जिसमें लिखा था कि उन्हें कोई शिकायत नहीं है।

सरकारी योजनाओं से नाम काटने की दी धमकी

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि शिकायत वापस नहीं लेने पर सरकारी योजनाओं से नाम काटने और भविष्य में किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलने की धमकी दी गई।

तुकाराम पाल ने दावा किया है कि गांव के अन्य प्रभावित हितग्राही भी इस मामले में गवाही देने और बयान दर्ज कराने के लिए तैयार हैं।

उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने सीईओ जिला पंचायत से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषी पंचायत कर्मियों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव और धमकी देने के मामले में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल
मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए उत्साह, साहस और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग भी प्राप्त होगा। यदि आप नया व्यवसाय शुरू करने या किसी महत्वपूर्ण योजना पर काम करने की सोच रहे हैं, तो समय अनुकूल है।

वृषभ। आज धैर्य और समझदारी आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं और किसी भी प्रकार का बड़ा निवेश करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी, लेकिन किसी भी विवाद से दूर रहना बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और घरेलू वातावरण सुखद बना रहेगा।

मिथुन। आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा और शुभ समाचार लेकर आएगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं तथा किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगी।

कर्क। आज पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा। परिवार और प्रियजनों का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और कला, लेखन या डिजाइन जैसे क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की प्रशंसा कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में स्थिति बेहतर रहेगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है।

सिंह। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। हालांकि सफलता मिलने पर अहंकार से बचना आवश्यक है, क्योंकि विनम्रता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या। आज का दिन खुशियों और उपलब्धियों से भरा रहेगा। लंबे समय से रुके हुए लेन-देन पूरे हो सकते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम या शुभ आयोजन की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे घर का वातावरण उत्साहपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित फल मिलेगा और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापारियों को लाभदायक सौदे मिलने की संभावना है।

तुला। आज आर्थिक स्थिति मजबूत रहने के संकेत हैं और भाग्य आपका पूरा साथ देगा। यदि आप किसी नई योजना या व्यवसाय की शुरुआत करना चाहते हैं, तो समय अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक। आज निवेश से लाभ मिलने के अच्छे योग हैं और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा तथा नई योजनाओं से फायदा हो सकता है।

धनु। आज मन में कुछ उलझन या चिंता रह सकती है, इसलिए काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत अंततः सफलता दिलाएगी। किसी भी विवाद या बहस से दूर रहें और धैर्यपूर्वक परिस्थितियों का सामना करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, हालांकि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने से तनाव कम होगा।

मकर। आज दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धन संबंधी मामलों में सफलता मिलने की संभावना है और रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा और नए ग्राहकों से फायदा मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए।

कुंभ। आज अचानक कोई सुखद समाचार मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और कार्यशैली लोगों को प्रभावित करेगी। नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन की सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय के नए स्रोत बन सकते हैं। व्यापारियों को लाभदायक सौदे मिलेंगे। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मीन। आज व्यापार में वृद्धि और आर्थिक लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे और नई योजनाओं में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी का भरपूर साथ मिलेगा, जिससे पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। यदि आप नया निवेश करने की सोच रहे हैं, तो सोच-समझकर निर्णय लें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार अपनाना लाभदायक होगा। सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगा।

इलाज के बाद 40-45% महिलाओं को मिला मां बनने का सुख

राज्य में महिलाओं में पेट और गर्भाशय का टीबी बढ़ रहा, 6 वर्षों में 528 केस मिले

रांची। टीबी को आमतौर पर फेफड़ों की बीमारी माना जाता है, लेकिन अब इसका एक ऐसा रूप तेजी से सामने आ रहा है, जो महिलाओं की मां बनने की क्षमता पर सीधा असर डाल रहा है। झारखंड में बड़ी संख्या में महिलाएं जननांग टीबी और पेट की टीबी से पीड़ित पाई जा रही हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें अधिकांश महिलाओं को लंबे समय तक बीमारी का पता ही नहीं चल पाता और वे बांझपन का इलाज कराती रहती हैं।

रांची की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. कुसुम प्रसाद द्वारा वर्ष 2020 से 2025 तक किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। उनके अनुसार पिछले छह वर्षों में उनके अस्पताल में 528 महिलाओं में प्रजनन अंगों में टीबी और पेट की टीबी की पुष्टि हुई है। इनमें अधिकांश मरीज झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से भी इलाज के लिए पहुंचे थे। डॉ. कुसुम प्रसाद का कहना है कि पहले टीबी के अधिकांश मरीज फेफड़ों से जुड़े होते थे, जिनकी पहचान एक्स-रे और बलगम जांच से आसानी से हो जाती थी। लेकिन अब महिलाओं में गर्भाशय, फैलोपियन ट्यूब और पेट की टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि कई महिलाएं वर्षों तक बांझपन का इलाज कराती रहती हैं, जबकि वास्तविक कारण टीबी होता है।

हर साल मिल रहे 66 से 98 मरीज

डॉ. कुसुम प्रसाद की अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 से 2025 के बीच हर साल 66 से 98 महिलाओं में टीबी की पुष्टि हुई है। इसमें एब्डोमिनल टीबी और जेनाइटल टीबी दोनों के मामले शामिल हैं। उनके क्लिनिक में छह सालों में 144 महिलाओं में एब्डोमिनल टीबी और 350 में जेनाइटल टीबी की पुष्टि हुई है।

6 से 9 महीने तक चलता है इलाज

रिपोर्ट की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि समय पर पहचान और पूरा इलाज मिलने के बाद 40- 45% महिलाओं को गर्भधारण हुआ और उन्हें संतान सुख प्राप्त हुआ। डॉ. कुसुम प्रसाद के अनुसार जननांग टीबी का इलाज सामान्यतः नौ महीने और पेट की टीबी का इलाज छह महीने तक चलता है। इलाज शुरू होने के शुरुआती 3 माह तक गर्भधारण से बचने की सलाह दी जाती है।

बिना स्पष्ट लक्षणों के होती है बीमारी

विशेषज्ञों का कहना है कि जिन महिलाओं को लंबे समय तक गर्भधारण नहीं हो रहा हो या बार-बार गर्भपात हो रहा हो, उनमें जननांग टीबी की जांच भी जरूरी है। यह बीमारी अक्सर बिना स्पष्ट लक्षणों के होती है और केवल विशेष जांच से ही पकड़ में आती है। डॉ. कुसुम प्रसाद बताती हैं कि उनके अध्ययन में केवल लगभग 10 प्रतिशत मरीजों ने बताया कि परिवार में पहले किसी को टीबी हुई थी।

लंबे समय तक गर्भधारण न होना

बार-बार गर्भपात
अनियमित माहवारी
लगातार पेल्विक दर्द
वजन का लगातार घटना
हल्का बुखार या कमजोरी

स्त्री रोग विशेषज्ञ बोलीं...इलाज से संभव है मातृत्व

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना पाठक का कहना है कि जननांग टीबी लाइलाज नहीं है। समय पर जांच, सही दवा और पूरा उपचार मिलने पर बड़ी संख्या में महिलाएं सामान्य जीवन जी रही हैं और मां भी बन रही हैं। बांझपन के मामलों में टीबी की संभावना को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जागरूकता सही उपचार और मातृत्व का सुख दिला सकती है।

टीबी की पहचान जरूरी

रिम्स की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीना मेहता ने बताया कि लंबे समय तक गर्भधारण नहीं होने या बार-बार गर्भपात होने पर केवल हार्मोनल कारणों पर ही नहीं, बल्कि जननांग टीबी की संभावना पर भी विचार करना चाहिए। समय पर जांच व सही उपचार से बीमारी नियंत्रित की जा सकती है तथा कई महिलाओं को मातृत्व का सुख भी मिल सकता है।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. तुलिका जोशी ने कहा कि जननांग टीबी के कई मामलों में शुरुआती लक्षण स्पष्ट नहीं होते, इसलिए मरीज लंबे समय तक अनजान रहते हैं। यदि बांझपन का कारण समझ में नहीं आ रहा हो तो विशेषज्ञ की सलाह पर आवश्यक जांच करानी चाहिए। जल्द पहचान और पूरा इलाज मामले में जरूरी है। फेफड़ों तक सीमित नहीं रही टीबी : टीबी का बैक्टीरिया शरीर के किसी भी अंग तक पहुंच सकता है। महिलाओं में यह गर्भाशय, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय को प्रभावित कर सकता है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर ट्यूब बंद हो सकती हैं और बांझपन की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

लाइट हाउस में फ्लैट लेकर 300 लोगों ने किराए पर दिया, 232 को नोटिस

रांची। धुर्वा पंचमुखी मंदिर के पीछे स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत जिन लाभुकों को फ्लैट आवंटित किया गया था,उसमें से सैकड़ों लोगों ने स्वयं रहने के बजाय फ्लैट को किराये पर दे दिया। 300 से अधिक आवंटियों ने अपने फ्लैट को 5 से 7 हजार रुपए प्रति माह पर किराए पर दे दिया है।

इसकी सूचना मिलने के बाद निगम ने जब जांच कराई तो 232 आवंटियों को चिन्हित किया गया, जिन्होंने अपने फ्लैट को किराए पर दे दिया है। इसके बाद निगम ने संबंधित लाभुकों को नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के अंदर उक्त फ्लैट में स्वयं रहने का साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा है। चिन्हित आवंटियों को फ्लैट में स्वयं रहने का प्रमाण देना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनके फ्लैट का आवंटन रद कर दिया जाएगा।

इसके बाद लाभुकों द्वारा जमा की गई राशि भी वापस नहीं की जाएगी। क्योंकि, फ्लैट आवंटन की शर्तों का उल्लंघन करने पर आवंटन रद करने के साथ राशि जब्त करने का प्रावधान है। निगम की इस कार्रवाई के बाद लाइट हाउस के फ्लैट आवंटियों में हड़कंप मच गया है। कई लोग आनन-फानन में फ्लैट में शिफ्ट करने लगे हैं। किरायेदार को फ्लैट खाली करने का दवाब बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत रांची के आनी मौजा में लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निर्माण कराया गया था। रांची में करीब 5 एकड़ जमीन पर 131 करोड़ से 1008 फ्लैट को नई तकनीक के साथ तैयार किया गया है। 8 मंजिल वाले कुल 6 टावर बनाए गए हैं। एक फ्लैट की लागत 13.29 लाख रुपए है। इसमें 6.50 लाख रुपए केंद्र व राज्य सरकार ने सब्सिडी दी है। शेष 6.79 लाख लाभुकों ने बैंक से होम लोन लेकर दिया है।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने सभी प्रोजेक्ट के फ्लैटों की जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि योजना का दुरुपयोग, आवंटित फ्लैटों को अवैध रुप से किराए पर लगाना या किसी भी प्रकार के नियम उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में जांच जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

कई लोगों ने सादे कागज पर बेचने की डील की

लाइट हाउस के फ्लैटों की अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई है। क्योंकि, जिस जमीन पर लाइट हाउस का निर्माण किया गया है उसका न तो खतियान है न मालगुजारी रसीद। जिला अवर निबंधक ने फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए निगम को कई बार पत्र लिखकर कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा,लेकिन कागजात नहीं मिले। इसके बाद निबंधन महानिरीक्षक को पत्र लिखकर फ्लैटों की रजिस्ट्री करने पर मार्गदर्शन मांगा गया,लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं आया। इस वजह से एक भी फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हुई। इसके बावजूद कई फ्लैट के लाभुकों ने सादे कागज पर ही अपने फ्लैट बेच दिए। हालांकि, इसकी कोई कानूनी वैधता नहीं है।

लाइट हाउस में फ्लैट लेने वाले 300 से अधिक लोगों ने अपने फ्लैट को क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ियों को किराए पर दे दिया तो किसी ने वाहन चालकों को। किसी ने फ्लैट में किराने की दुकान खोल ली तो कोई अवैध धंधा करने वालों को फ्लैट देकर मोटा कमाई कर रहा है। इससे लाइट हाउस में रहने वाली 350 से अधिक परिवार परेशान हैं। वहां के निवासियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सभी तरह की गलत हरकत यहां होती है।

बोकारो में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल, 3 मिनट ब्लैकआउटः पेट्रोल पंप और मेडिकेट अस्पताल में किया गया राहत अभ्यास

बोकारो। बोकारो जिले में आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए बुधवार शाम सिविल डिफेंस मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस दौरान शाम 7:03 बजे से 7:06 बजे तक पूरे जिले में तीन मिनट का ब्लैकआउट रखा गया।

इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की तत्परता, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना था। जिला स्तरीय यह मॉक एक्सरसाइज बोकारो के उषा ऑटोमोबाइल पेट्रोल पंप और सेक्टर-12 स्थित मेडिकेट अस्पताल में आयोजित की गई।

अभ्यास के दौरान एयर रेड सायरन बजाकर बम विस्फोट जैसी काल्पनिक आपात स्थिति का निर्माण किया गया। इसके बाद पुलिस, सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य, विद्युत, आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क विभागों की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

मॉक ड्रिल में घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने, एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने, आग बुझाने और प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित करने जैसी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभ्यास का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक या मानवजनित आपदा की स्थिति में सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे मॉक ड्रिल के दौरान किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। अधिकारियों के अनुसार, ऐसे नियमित अभ्यास से आपदा प्रबंधन व्यवस्था और सुदृढ़ होगी, जिससे वास्तविक संकट में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

वित्तीय प्रबंधन के लिए सरकार का फरमान, बजट में तय राशि की एकमुश्त निकासी नहीं

रांची। राज्य सरकार वित्तीय प्रबंधन के लिए एक के बाद एक कदम उठा रही है। अब बजट में तय राशि का एकमुश्त आवंटन आदेश करने के बजाय आवश्यकतानुसार ही टुकड़े टुकड़े में ट्रेजरी से राशि निकालने का आवंटन आदेश निकलेगा। वित्त विभाग जल्द ही इस आशय का निर्देश सभी प्रशासी विभागों को जारी करेगा। सरकार अपनी आर्थिक स्थिति को पटरी पर बनाए रखने के लिए कई पहलुओं पर काम कर रही है।

फिलहाल राज्य की वित्तीय स्थिति बेहतर नहीं है। सरकार के कोष में खर्च के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध रहे, इसके लिए वित्त विभाग अब एकमुश्त आवंटन आदेश नहीं जारी करने का सैद्धांतिक निर्णय कर लिया है। मालूम हो कि राज्य सरकार अपने बजट में विभागीय योजनाओं को शामिल करता है। बजट को विधानसभा से स्वीकृति मिल जाने के बाद वित्त विभाग की सहमति से विभाग स्वीकृत्यादेश जारी करता है। इसके बाद फिर संबंधित विभाग आवंटन आदेश जारी करता है। अब किसी योजना की संपूर्ण राशि को एक साथ निकासी नहीं की जा सकेगी। इस संबंध में वित्त विभाग का कहना है कि योजना के पूरा होने में समय लगता है। इसलिए जैसे-जैसे किसी योजना का काम पूरा होता जाएगा, उस अनुरुप विभाग उसका पेमेंट करेगा। इससे सरकार के कोष में आवश्यक राशि हमेशा उपलब्ध रहेगी। इससे पूर्व राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी विभागीय प्रधान और विभागाध्यक्षों को अप्रैल 2023 के पूर्व पीए खातों में जमा राशि को ट्रेजरी में जमा करने का निर्देश दिया है। कहा है कि एक अप्रैल 2023 के पूर्व पील खाते में जो भी राशि जमा है वह ट्रेजरी में जमा करें। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 18,902 करोड़ रुपए पीएल खाते में पड़े हैं। इससे पूर्व 19 जून को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्त सचिव को निर्देश दिया था कि विभागों में पीएल खाते में 4 वर्षों से अधिक समय से पड़ी राशि को राजकोष में जमा कराएं। कहा था कि राज्य सरकार एक ओर मंईयां सम्मान योजना समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने का प्रयास कर रहा है।

वित्तीय प्रबंधन के लिए सरकार का फरमान, बजट में तय राशि की एकमुश्त निकासी नहीं

रांची। राज्य सरकार वित्तीय प्रबंधन के लिए एक के बाद एक कदम उठा रही है। अब बजट में तय राशि का एकमुश्त आवंटन आदेश करने के बजाय आवश्यकतानुसार ही टुकड़े टुकड़े में ट्रेजरी से राशि निकालने का आवंटन आदेश निकलेगा। वित्त विभाग जल्द ही इस आशय का निर्देश सभी प्रशासी विभागों को जारी करेगा। सरकार अपनी आर्थिक स्थिति को पटरी पर बनाए रखने के लिए कई पहलुओं पर काम कर रही है।

फिलहाल राज्य की वित्तीय स्थिति बेहतर नहीं है। सरकार के कोष में खर्च के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध रहे, इसके लिए वित्त विभाग अब एकमुश्त आवंटन आदेश नहीं जारी करने का सैद्धांतिक निर्णय कर लिया है। मालूम हो कि राज्य सरकार अपने बजट में विभागीय योजनाओं को शामिल करता है। बजट को विधानसभा से स्वीकृति मिल जाने के बाद वित्त विभाग की सहमति से विभाग स्वीकृत्यादेश जारी करता है। इसके बाद फिर संबंधित विभाग आवंटन आदेश जारी करता है।

अब किसी योजना की संपूर्ण राशि की एक साथ निकासी नहीं की जा सकेगी। इस संबंध में वित्त विभाग का कहना है कि योजना के पूरा होने में समय लगता है। इसलिए, जैसे-जैसे किसी योजना का काम पूरा होता जाएगा, उस अनुरूप विभाग उसका पेमेंट करेगा। इससे सरकार के कोष में आवश्यक राशि हमेशा उपलब्ध रहेगी। इससे पूर्व राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी विभागीय प्रधान और विभागाध्यक्षों को अप्रैल 2023 के पूर्व पीए खातों में जमा राशि को ट्रेजरी में जमा करने का निर्देश दिया है। कहा है कि एक अप्रैल 2023 के पूर्व पील खाते में जो भी राशि जमा है वह ट्रेजरी में जमा करें। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 18,902 करोड़ रुपए पीएल खाते में पड़े हैं। इससे पूर्व 19 जून को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्त सचिव को निर्देश दिया था कि विभागों में पीएल खाते में 4 वर्षों से अधिक समय से पड़ी राशि को राजकोष में जमा कराएं।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7	5		9				6
	2	3		8			4	
8					3			1
5			7		2			
	4		8		6		2	
			9		1			3
9			4					7
	6			7		5	8	
7				1		3	9	

पिछले अंक का उत्तर

2	6	5	4	3	1
4	1	3	2	6	5
3	5	6	1	2	4
1	4	2	3	5	6
5	3	1	6	4	2
6	4	2	5	3	1

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना के लिए 110 करोड़ रुपए मंजूर

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को मुफ्त और बेहतर इलाज की सुविधा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 'आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना' के सुचारू संचालन के लिए 110 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से राज्य के लाखों पात्र परिवारों को कैंसर, किडनी और दिल की बीमारी जैसी गंभीर बीमारियों के महंगे इलाज में बहुत बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्वीकृत राशि का उपयोग योजना के विभिन्न मदों में किया जाएगा। इसमें केंद्र और राज्यांश के भुगतान के साथ-साथ योजना के संचालन से जुड़े खर्च भी शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राशि का उपयोग निर्धारित वित्तीय नियमों और स्वीकृत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जाएगा।

अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में:आखिरी 7 मिनट में 2 गोल कर बाजी पलटी, इंग्लैंड 85वें मिनट तक आगे रहकर भी हारा

अटलांटा। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार रात को दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा।

अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी। यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है।

मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।

33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट में लगाकर बाहर चली गई। अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडेज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया।

37वें मिनट में लियोनेल मेसी आगे बढ़े, लेकिन इलियट एंडरसन ने उन्हें रोकने के लिए फाउल किया। इस पर एंडरसन को येलो कार्ड मिला। 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज को भी कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए।

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की। जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया। 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया।

हैरी केन के लंबे पास पर अर्जेंटीना का डिफेंस पूरी तरह क्लियरेंस नहीं कर सका। डेक्लन राइस ने गेंद मॉर्गन रोजर्स को दी। रोजर्स ने दाईं ओर से सटीक क्रॉस डाला, जिस पर एंथनी गॉर्डन ने बॉक्स से आसान फिनिश किया। यह टूर्नामेंट में गॉर्डन का पहला गोल था और इंग्लैंड 1-0 से आगे हो गया।

गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। लियोनेल मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडेज को दी। फर्नांडेज ने करीब 25 गज की दूरी से शॉट लगाया। गेंद खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए सीधे नेट में जा समाई। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया।

इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी ने फिर कमाल कर दिखाया। उन्होंने दाईं ओर से बॉल बॉक्स में भेजी। सब्स्टीट्यूट स्ट्राइकर लॉटारो मार्टिनेज डिफेंडरों से आगे निकले और शानदार हेडर के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अर्जेंटीना ने 7 मिनट के भीतर मैच पलटते हुए 2-1 की बढ़त बना ली।

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में हल्की तेजी: सेंसेक्स 77,300 के पार, निफ्टी 24,100 के करीब; IT और मीडिया शेयरों में खरीदारी

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार, 16 जुलाई को कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ हुई। शुरुआती कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंकों की बढ़त के साथ 77,300 के स्तर पर कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं एनएसई निफ्टी भी लगभग 20 अंक मजबूत होकर 24,100 के आसपास कारोबार कर रहा है। शुरुआती सत्र में निवेशकों का रुझान चुनिंदा सेक्टरों की ओर देखने को मिला, जिससे बाजार में हल्की मजबूती बनी रही। आज के कारोबार में मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल और आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी दर्ज की गई। आईटी कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों का असर इस सेक्टर पर साफ दिखाई दिया। वहीं, कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों ने रुचि दिखाई, जिससे इस इंडेक्स में अच्छी बढ़त दर्ज हुई। मीडिया सेक्टर के कई प्रमुख शेयर भी हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित लेकिन सकारात्मक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के तिमाही नतीजों को लेकर निवेशकों की उम्मीदों ने बाजार को शुरुआती बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि निवेशक अब भी महंगाई, ब्याज दरों और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

सोना 189 गिरकर 1.42 लाख पर आया: चांदी 680 बढ़कर 2.20 लाख किलो पर पहुंची, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 16 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 189 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 680 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 9 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 10 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.20 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट की वजह

मजबूत अमेरिकी डॉलर: फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं।

मुनाफावसूली: पिछले कुछ समय पहले सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी थीं। दामों में इतनी बड़ी तेजी आने के बाद बड़े निवेशकों और ट्रेडर्स ने मुनाफावसूली की, जिससे कीमतों में गिरावट आई है।

सोने-चांदी में एकमुश्त निवेश से बचें

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट में होंगे: वनडे में सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 से, टी-20 में सुपर-10 से तय होंग

स्पोर्ट्स डेस्क। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप और 2028 का टी-20 वर्ल्डकप नए फॉर्मेट में होगा। वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमों के साथ नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट लागू होगा, जिसमें सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 राउंड से चुने जाएंगे। अब तक यह सुपर-6 से चुने जाते थे।

वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 की जगह सुपर-10 स्टेज खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दो नए एलिमिनेटर मुकाबले भी जोड़े गए हैं।

ICC ने बुधवार को नए फॉर्मेट में बदलावों को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन स्ट्रक्चर बनाया गया है। इनका ऐलान एडिनबर्ग में हुई **ICC** की सालाना बैठक के बाद किया गया।

फरवरी-मार्च में हुए टी-20 वर्ल्डकप में भारत चैंपियन बना था। भारत अब तक 3 टी-20 वर्ल्डकप जीत चुका है।

फरवरी-मार्च में हुए टी-20 वर्ल्डकप में भारत चैंपियन बना था। भारत अब तक 3 टी-20 वर्ल्डकप जीत चुका है।

वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन फॉर्मेट को थ्री-स्टेज में बदल दिया गया है। नए फॉर्मेट में सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी। इसमें रैंकिंग की आखिरी तीन टीमें (12, 13 और 14) राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी और एक टीम दूसरे राउंड में पहुंचेगी।

दूसरे राउंड में 12 टीमें ही होंगी। 6-6 टीमों के दो ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और दोनों ग्रुप को मिलाकर एक बेस्ट (सातवीं) टीम तीसरे राउंड यानी सुपर-7 में पहुंचेगी।

सुपर-7 में सभी सात टीमें आपस में राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में कुल 21 मैच खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल (1 बनाम 4 और 2 बनाम 3) में पहुंचेंगी। इनकी विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी।

पंजाब में शुरू होगी IPL जैसी क्रिकेट लीग: फ्रेंचाइज़ी के लिए EOI जारी, पोस्टर में शुभमन गिल समेत कई चेहरे

मोहाली। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन राज्य में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए नई पहल करने जा रहा है। एसोसिएशन ने आईपीएल की तर्ज पर आयोजित होने वाली 'शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टी-20 लीग' के लिए फ्रेंचाइजी मालिकों की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए देश के बड़े कॉरपोरेट घरानों, कंपनियों और उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है।

उम्मीद जताई जा रही है कि इस लीग से राज्य के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलेगा। साथ ही, भविष्य में भारतीय टीम में पंजाब के अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जगह मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। **PCA** की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञापन में भारतीय क्रिकेट के कई बड़े चेहरे और पंजाब के स्टार खिलाड़ी नजर आ रहे हैं। इनमें शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, हरप्रीत बरार और रमनदीप सिंह शामिल हैं।

पीसीए ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रस्ताव या रुचि को बिना कारण बताए स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार उसके पास सुरक्षित रहेगा। इस संबंध में अंतिम फैसला पीसीए की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन के विवेक पर निर्भर करेगा।

महाराजा रणजीत सिंह के नाम पर लीग: टूर्नामेंट का नाम सिख साम्राज्य के महान शासक शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह के सम्मान में रखा गया है।

2026 से होगी शुरुआत: पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन इस लीग का पहला सीजन 2026 में आयोजित करेगा।

IPL की तर्ज पर फ्रेंचाइजी मॉडल: लीग में फ्रेंचाइजी आधारित टीमें हिस्सा लेंगी।

10 सीजन के लिए फ्रेंचाइजी: फ्रेंचाइजी अधिकार शुरुआती 5+5 साल, यानी कुल 10 सीजन के लिए दिए जाएंगे।

पंजाब सरकार का सहयोग: लीग के आयोजन में पंजाब सरकार, **BCCI** और **PCA** मिलकर काम कर रहे हैं।

पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर-5 खिलाड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने दूसरे दौर के मुकाबले में चीन की विश्व नंबर-5 खिलाड़ी हान यू को सीधे गेमों में 21-16, 21-14 से हराकर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया। यह मुकाबला केवल 35 मिनट तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अपनी प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

मैच की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन कुछ ही समय बाद सिंधु ने तेज स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन नेट प्ले के दम पर बढ़त बना ली। पहले गेम में उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-16 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में भी सिंधु का दबदबा कायम रहा। उन्होंने शानदार रक्षात्मक और आक्रामक खेल का संतुलन बनाए रखा और 21-14 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ सिंधु ने हान यू के खिलाफ अपना दबदबा और मजबूत कर लिया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक खेले गए नौ मुकाबलों में सिंधु ने आठवीं जीत हासिल की है, जबकि हान यू केवल एक बार ही उन्हें हरा सकी हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारतीय स्टार का चीनी खिलाड़ी पर कितना मजबूत रिकॉर्ड रहा है।

जापान ओपन में सिंधु का यह प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए काफी उत्साहजनक माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से बड़े टूर्नामेंटों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के कारण सिंधु लगातार अपनी लय तलाश रही थीं, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाकर संकेत दे दिया है कि वह फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट रही हैं।

स्पोर्ट्स अपडेट-मेजर लीग में पूरन का 31 गेंद में शतक:न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन मैच में 13 छक्के लगाए; विंडीज की महिला टीम ने क्लीन स्वीप किया

स्पोर्ट्स डेस्क। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने मेजर क्रिकेट लीग में 31 गेंद में शतक लगा दिया है। उन्होंने गुरुवार को **MI** न्यूयॉर्क की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 5 चौके और 13 छक्कों से सजी पारी खेली। उनकी पारी के दम पर न्यूयॉर्क ने वॉशिंगटन को 266 रन का टारगेट दिया है। जवाब में फ्रीडम ने 7 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बना डाले हैं।

लीग के एक अन्य मुकाबले में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 7 रन से हराकर पहली बार मेजर लीग क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश किया है। फाइनल मैच 19 जुलाई को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

नाइट राइडर्स ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। कॉलिन मुनरो (44 गेंदों पर 51) और आंद्रे रसेल (50 गेंदों पर नाबाद 62) ने पारी संभाली। रोवमैन पॉवेल ने आखिरी तीन ओवर्स में 15 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोक दिए।

ब्रेडी (आयरलैंड)। स्टेफानी टेलर के लगातार दूसरे शतक से वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 64 रन से जीत लिया है। इसी के साथ उसने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह जनवरी 2025 के बाद वेस्टइंडीज की पहली वनडे सीरीज जीत है।

ब्रेडी में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने 82 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। यहां से स्टेफानी टेलर ने 105 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। उन्होंने लोअर ऑर्डर के बैटर्स के साथ अहम साझेदारियां की और स्कोर 257 रन तक पहुंचाया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम 193 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 64 रन से जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप पूरा किया।वेस्टइंडीज की स्पिन जोड़ी करिश्मा रामहरैक और अफी फ्लेचर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट झटके। टेलर ने इस पारी के दौरान अपने वनडे करियर का 10वां शतक लगाया। वह लगातार दो मैचों में शतक जड़ने वाली वेस्टइंडीज की दूसरी बल्लेबाज बनीं। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की।

आयुष्मान वय वंदन योजना में सारंगढ़-बिलाईगढ़ बना नंबर-1

81% बुज़ुर्गों के बने कार्ड

रायपुर। आयुष्मान भारत वय वंदन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले ने छत्तीसगढ़ में पहला स्थान हासिल किया है। 15 जुलाई 2026 को जारी राज्य स्तरीय समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले ने 70 वर्ष से अधिक आयु के 81.17 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदन कार्ड बनाकर प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

योजना के तहत जिले में 27,514 पात्र बुजुर्गों के लक्ष्य के मुकाबले 22,333 लाभार्थियों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। यह उपलब्धि राज्य के 64 प्रतिशत औसत कवरेज से काफी बेहतर है। आयुष्मान भारत वय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को, आय की परवाह किए बिना, प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त और कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है।

जिला प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले, मितानिनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिया है। अधिकारियों के अनुसार टीम ने घर-घर सर्वे कर पात्र हितग्राहियों की पहचान की और त्वरित रूप से उनके कार्ड बनवाए।

जिला प्रशासन ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी स्वास्थ्य योजनाओं में इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखा जाएगा।

अंधेरगढ़ नाला का पक्का चेक डेम बना किसानों की उम्मीद, 12.5 एकड़ खेतों को मिलेगा सिंचाई का संबल

एमसीबी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत माड़ीसरई में निर्मित पक्का चेक डेम आज ग्रामीण विकास, जल संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। अंधेरगढ़ नाला पर निर्मित यह चेक डेम केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीणों के बेहतर भविष्य, किसानों की खुशहाली और जल सुरक्षा की मजबूत नींव साबित हो रहा है।

ग्राम पंचायत माड़ीसरई में लंबे समय से वर्षा का अधिकांश पानी बिना उपयोग के बह जाता था, जिससे गर्मी के मौसम में जल संकट गहराने लगता था। खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों को सीमित खेती करनी पड़ती थी और उनकी आय भी प्रभावित होती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए मनरेगा के माध्यम से अंधेरगढ़ नाला पर पक्का चेक डेम निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया।

इस कार्य में 1185 मानव दिवस का सृजन हुआ, जिससे गांव के श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला। इससे ग्रामीण परिवारों को गांव में ही मजदूरी उपलब्ध हुई और पलायन की आवश्यकता भी कम हुई। निर्माण कार्य के दौरान ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने इस परियोजना को जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बना दिया।

चेक डेम के निर्माण से वर्षा जल का संरक्षण संभव हुआ है, जिससे भू-जल स्तर में सुधार आने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संरचना से लगभग 12.5 एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी। इससे किसान अब केवल वर्षा पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि समय पर सिंचाई कर धान के साथ-साथ दलहन, तिलहन एवं अन्य नकदी फसलों की खेती भी कर सकेंगे। इससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

जल संरक्षण की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

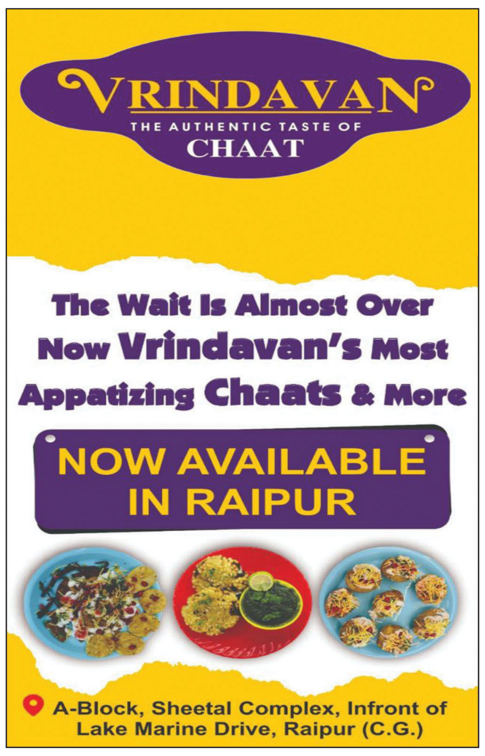

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम : बलौदाबाजार में समूह की 40 महिलाओं को मिला धान और पैरा आर्ट का प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ (धान का कटोरा) में धान की कटाई के बाद बचने वाले श्पैराश् (पराली/पुआल) से बनाई जाने वाली खूबसूरत हस्तकला को पैरा आर्ट कहते हैं। इसके जरिए वेस्ट पैरा का उपयोग कर महापुरुषों और देवी-देवताओं के 3ष्ठ पोर्ट्रेट और चित्र बनाए जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ यह ग्रामीण आय का भी एक बड़ा साधन बन रहा है। पैरा आर्ट बेहद दिलचस्प कला है, जिसमें धैर्य, कल्पनाशक्ति और बारीकी की समझ जरूरी है. धीरे-धीरे इस कला का क्रेज लोगों के बीच बढ़ता जा रहा है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आजीविका के नए साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बलौदाबाजार के अंतर्गत ग्राम लाहौद में स्व-सहायता समूह की 40 महिलाओं को धान एवं पैरा (पुआल) आर्ट का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा धान और पैरा से तैयार की गईं विभिन्न सुंदर और आकर्षक कलाकृतियों का अवलोकन किया तथा उनके हुनर की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

बिहान टीम के प्रयास से गैर-कृषि आजीविका को बढ़ावा

जिला पंचायत सीईओ बलौदाबाजार-भाटापारा ने बताया कि जिला पंचायत की बिहान टीम के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में गैर-कृषि आजीविका को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य के साथ छत्तीसगढ़ महतारी संकुल संगठन लाहौद में स्व-सहायता समूह की 40 दीदियों को इस कला का प्रशिक्षण दिलाया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं अब स्थानीय स्तर पर अनुपयोगी समझे जाने वाले पैरा (पुआल) और धान से कलाकृतियां बनाकर अपनी अतिरिक्त आय सुनिश्चित कर सकेंगी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी।

ऑनलाइन आवेदन करने के कुछ ही घंटों में जुड़ा राशन कार्ड में आवेदक की पुत्री का नाम

सेवा सेतु पोर्टल के जरिए एक ही दिन में हुआ निराकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध, पारदर्शी और सुलभ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम तेलावट निवासी श्री बसंत कुमार साहू ने अपनी तीन वर्षीय बेटी गेश्रीका का नाम राशन कार्ड में जोड़ने के लिए सेवा सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन के अगले ही दिन उनकी बेटी का नाम राशन कार्ड में जोड़ दिया गया।

राशन कार्ड की अद्यतन प्रति कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर ने आवेदक साहू को अपने हाथों से प्रदान किया। त्वरित कार्रवाई से प्रसन्न बसंत कुमार साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अब सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते। घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर कम समय में ही आवश्यक सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल से आम नागरिकों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाएं अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनी हैं।

नचनिया जलाशय के विकास कार्यों के लिए 3.91 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के तहत एक महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृति दी गई है। विभाग द्वारा खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के विकासखण्ड छुईखदान में स्थित नचनिया जलाशय के विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 3 करोड़ 91 लाख 26 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस परियोजना से क्षेत्रीय किसानों को कुल 101 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्नत सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684